राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण बुधवार,15 फरवरी-2023 वर्ष-6,अंक-23 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीबीसी के दिल्ली-मुंबई ऑफिस पर आयकर विभाग का सर्वे

कांग्रेस ने कहा- अघोषित आपातकाल; भाजपा बोली- भूल गए, इंदिरा ने भी बैन किया था

एजेंसी

नई दिल्ली/मुंबई। बीबीसी के दिल्ली और मुंबई ऑफिस पर मंगलवार सुबह 11 बजे आयकर विभाग की टीम ने सर्वे शुरू किया। आयकर विभाग के सूत्रों के अनुसार बीबीसी पर इंटरनेशनल टैक्स में गड़बड़ी का आरोप है। बीबीसी ने ट्वीट कर बताया- आयकर विभाग की टीम दिल्ली और मुंबई ऑफिस में मौजूद हैं। हम उन्हें पूरा सहयोग कर रहे हैं। सर्वे का काम अभी भी जारी है। इधर, कांग्रेस पार्टी ने अपने ऑफिशियल ट्विटर पर इस कार्रवाई को अघोषित आपातकाल बताया। कांग्रेस के बयान पर भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने इंदिरा गांधी का 52 साल पुराना वाकया याद दिलाया। भाटिया ने

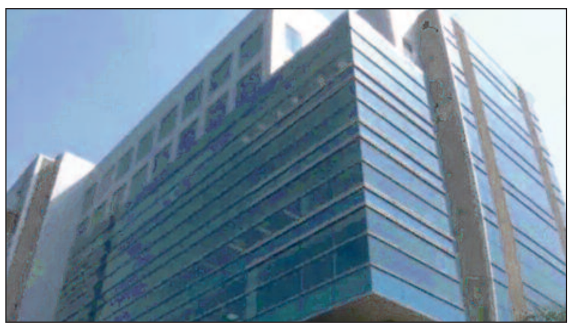

कहा- कांग्रेस शायद भूल रही है कि 1970 में इंदिरा गांधी ने एक डॉक्यूमेंट्री को लेकर बीबीसी पर बैन लगा दिया था। दिल्ली के केजी मार्ग एरिया में एचटी टावर की पांचवीं और छठी मंजिल पर बीबीसी का ऑफिस है। यहां आईटी की 24 मेंबर्स की टीम ने रेड की है। इधर, मुंबई के सांताक्रूज इलाके में बीबीसी स्टूडियोज पर भी इनकम टैक्स विभाग की टीम पहुंची है। टीम ने फाइनेंस डिपार्टमेंट के लोगों के मोबाइल, लैपटॉप-डेस्कटॉप जब्त किए हैं। अफसरों के मुताबिक, इनका बैकअप लेकर इन्हें वापस कर दिया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि एक्शन के दौरान स्टाफ के फोन बंद करा दिए गए और सभी को मीटिंग रूम में बैठने को कहा गया है। इनकम टैक्स के अधिकारियों ने बताया कि विभाग ने सिर्फ कंपनी के व्यावसायिक परिसर पर सर्वे किया है। प्रमोटर और डायरेक्टर के घर और अन्य जगहों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। इधर, ब्रिटिश सरकार के सूत्रों ने बताया कि ब्रिटेन गवर्नमेंट टैक्स सर्वे की कार्रवाई की रिपोर्ट की बारीकी से निगरानी कर रही है। बीबीसी के ऑफिसों पर कार्रवाई को कांग्रेस ने पीएम मोदी पर बनी उसकी डॉक्यूमेंट्री से जोड़ा है। पार्टी ने ट्वीट कर इसे अघोषित आपातकाल बताया है। पार्टी ने अपने ट्वीट में लिखा- पहले बीबीसी की डॉक्यूमेंट्री आई, उसे बैन किया गया। अब बीबीसी पर आईटी का छापा पड़ गया है। अघोषित आपातकाल। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा- यहां हम अडाणी के मामले में जेपीसी की मांग कर रहे हैं और वहां सरकार बीबीसी के पीछे पड़ी हुई है। 'विनाशकाले विपरीत बुद्धि'। टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने सर्वे को चौंकाने वाली खबर बताया है। आयकर विभाग की कार्रवाई को लेकर भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा- कांग्रेस को याद रखना चाहिए कि पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी ने बीबीसी पर प्रतिबंध लगा दिया था।

भाजपा को डरने की जरूरत नहीं; कांग्रेस ने लगाया था पक्ष लेने का आरोप

अडाणी पर पहली बार बोले शाह- छिपाने जैसा कुछ नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग-अडाणी विवाद पर गृहमंत्री अमित शाह ने पहली बार बयान दिया है। उन्होंने इंटरव्यू में कहा कि इस पर कोई कमेंट करना सही नहीं होगा, क्योंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में है। लेकिन इतना जरूर कहा कि इसमें भाजपा के लिए छिपाने जैसी कोई बात नहीं है और न ही डरने की जरूरत है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सामने आने के बाद राहुल गांधी समेत विपक्ष ने भाजपा पर अडाणी का बचाव करने के आरोप लगाए हैं। इसे लेकर संसद से सड़क तक प्रदर्शन भी किया है। 25 जनवरी को अडाणी ग्रुप की कंपनियों के बारे में अमेरिका की 'हिंडनबर्ग' कंपनी ने एक रिपोर्ट जारी की। रिपोर्ट का टाइटल है- 'दुनिया का तीसरा सबसे अमीर आदमी किस तरह कॉर्पोरेट इतिहास का सबसे बड़ा धोखा कर रहा है'। इसमें आरोप लगाए कि अडाणी ग्रुप ने शेयर मार्केट में हेराफेरी करके अपने शेयरों की कीमत बढ़वाई है।

राहुल गांधी ने खुद रद्द की उड़ान

वाराणसी एयरपोर्ट ने कांग्रेस के सभी आरोपों को खारिज किया

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी का सोमवार को प्रयागराज दौरा रद्द हो गया। कांग्रेस ने एयरपोर्ट अथॉरिटी पर आरोप लगाया कि उनकी फ्लाइट वाराणसी में लैंड नहीं होने दी गई थी। वाराणसी एयरपोर्ट ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। अधिकारियों के अनुसार, राहुल गांधी ने खुद अपना दौरा रद्द किया था। एयरपोर्ट के ऑफिशियल अकाउंट से ट्वीट किया गया- 13 फरवरी 2013 को 21:16 बजे AAI वाराणसी एयरपोर्ट पर ईमेल भेजकर M/s AR एयरवेज की ओर से उड़ान रद्द कर दी गई थी। कृपया अपना बयान सही करें, क्योंकि ऑपरेटर की ओर से उड़ान रद्द कर दी गई थी।

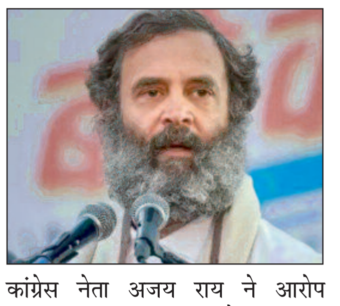

कांग्रेस नेता अजय राय ने आरोप लगाया- राहुल गांधी का प्लेन बाबतपुर के एयरपोर्ट एरिया में पहुंचा था। दो-तीन चक्कर लगाए। लेकिन वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट अथॉरिटी ने लैंडिंग की परमिशन नहीं दी। फिर विमान दिल्ली के लिए रवाना हो गया। बातचीत में अजय राय ने मंगलवार को यह बयान दिया। राहुल गांधी को सोमवार रात केरल के कन्नूर से वाराणसी आना था। कांग्रेस नेता अजय राय ने कहा कि भाजपा सरकार के इशारे पर राहुल गांधी को बाबतपुर एयरपोर्ट पर उतरने नहीं दिया गया। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने पूरी तरीके से सरकार के दबाव में और राष्ट्रपति विजिट के बहाने लैंडिंग की परमिशन नहीं दी। जबकि, राष्ट्रपति के जाने के 3 घंटे बाद राहुल की फ्लाइट लैंड करनी थी। उन्होंने कहा कि जानबूझकर यह अनुमति नहीं दी गई। उनसे कहा गया कि शहर का सारा ट्रैफिक जाम है। जबकि, देश-दुनिया के लोगों की फ्लाइट यहां आ रही है।

तमिलनाडु के सीएम का आरोप; मोदी ने कहा था- ईडीने विपक्ष को एकजुट किया

प्रधानमंत्री ने विपक्ष से बदले की भावना कबूली: स्टालिन

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा है कि संसद में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पीएम मोदी से इतने सवाल पूछे लेकिन पीएम ने एक का भी जवाब नहीं दिया। मैंने पीएम मोदी से ये हुनर सीखा है कि बिना किसी सवाल का जवाब दिए घंटों कैसे बोला जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से स्टालिन ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने संसद में कहा था कि एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट ने विपक्ष को

एकजुट कर दिया है। यह उनका कबूल नामा है। ऐसा पहली बार हुआ है कि किसी प्रधानमंत्री ने संसद में स्वीकार किया है कि वे विपक्ष के खिलाफ बदले की भावना रखते हुए राजनीति करते हैं। यह हमारे लोकतंत्र के लिए बिल्कुल ठीक नहीं है। स्टालिन ने कहा कि पीएम और भाजपा सरकार के खिलाफ कितने आरोप लगे हैं, लेकिन उन्होंने इन पर कोई जवाब नहीं दिया। उनका कहना है कि उन पर लोगों का भरोसा उनकी ढाल है, लेकिन लोग ऐसा नहीं सोचते हैं। स्टालिन ने आगे कहा कि पीएम की स्पीच में बड़ी-बड़ी बातें तो थीं, लेकिन BBC डॉक्यूमेंट्री या अडाणी से रिश्तों को लेकर कोई जवाब नहीं था। स्टालिन ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार से अडाणी समूह के रिश्ते होने के आरोप बेहद गंभीर हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई खुद चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया कर रहे हैं। इसलिए संसद में इसे लेकर चर्चा होनी जरूरी है। मामले की जांच भी संसदीय कमेटी को सौंपी जानी चाहिए। स्टालिन ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की स्पीच के कुछ हिस्सों को संसद के रिकॉर्ड से हटा देने का ये मतलब नहीं कि वे लोगों के दिमाग से भी हट जाएगी। उन्होंने कहा कि संसद में राहुल ने संसद में पीएम से जो भी सवाल पूछे थे वे सभी जायज और सही थे। यह बेहद शॉकिंग है कि पीएम ने इन आरोपों पर कुछ नहीं कहा।

संक्षिप्त समाचार

एचएएल ने एयरक्राफ्ट से हटाया बजरगंबली का स्टिकर

एजेंसी

बेंगलुरु। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड ने बेंगलुरु में एयरो इंडिया 2023 एयर शो में प्रदर्शित HLFT-42 विमान मॉडल की टेल से भगवान हनुमान की तस्वीर को हटा दिया है। अब HAL के चेयरमैन सीबी अनंतकृष्ण का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा- ₹स्टिकर किसी इरादे से नहीं लगाया गया था। न ही किसी इरादे से हटाया गया है।₹ वहीं डायरेक्टर डॉ. डीके सुनील ने कहा कि 'स्टिकर हटाने का फैसला इंटरनल है।' बेंगलुरु के येलहांका एयर फोर्स स्टेशन में 5 दिन चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत सोमवार को हुई, जहां यह मॉडल सबसे ज्यादा सुर्खियों में था। इसकी टेल पर हनुमानजी की फोटो थी। साथ ही एक मैसेज भी लिखा था- The Storm Is Coming (तूफान आ रहा है)। इसे देश के पहले स्वदेशी एयरक्राफ्ट मारुत का उत्तराधिकारी बताया जा रहा है। HLFT-42 नए पायलट्स को मॉडर्न वॉर टेक्नीक सिखाने के लिए बनाया गया है। शो में इसका प्रोटोटाइप प्रदर्शित हुआ। यह मॉडल फ्लाई बाय वायर (FBW) कंट्रोल सिस्टम के साथ एक्टिव इलेक्ट्रॉनिकली स्कैन्ड एरे (AESA), इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर (EW) सूट, इन्फ्रारेड सर्च एंड ट्रैक (IRST) जैसी एवियोनिक सुविधाओं से लैस होगा। कंपनी ने अभी इसे कोई नाम नहीं दिया है।

अयोध्या में बनेगा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नया मुख्यालय

संघ ने टाउनशिप में 100 एकड़ जमीन मांगी, यह नागपुर से 100 गुना ज्यादा बड़ा होगा

एजेंसी

अयोध्या। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 2025 में अपना शताब्दी वर्ष मनाने की तैयारी में है। इससे पहले वह अयोध्या में अपना एक और मुख्यालय बनाना चाहती है। इसके लिए संघ ने आवास विकास परिषद से 100 एकड़ जमीन मांगी है। संघ यह जमीन ग्रीन फील्डशिप योजना (नव्य अयोध्या) में चाहता है। इसके लिए आवेदन किया गया है। ये बात आवास विकास परिषद के एक अधिकारी ने भास्कर को बताई। यानी, अगर सब कुछ ठीक रहा तो अयोध्या आरएसएस का नया गढ़ होगा। अभी आरएसएस का मुख्यालय नागपुर है। यह करीब 1 एकड़ में बना

हुआ है। वहीं, दिल्ली का झंडेवालान भी बड़ा केंद्र है, जो करीब 3 एकड़ में फैला हुआ है। संघ के शीर्ष पदाधिकारियों में से कुछ नागपुर और कुछ दिल्ली में रहते हैं। मुंबई भी संघ का अहम केंद्र है। अब 100 एकड़ में सबसे बड़ा केंद्र अयोध्या में बनाने की तैयारी हो रही है। आने वाले साल में आरएसएस की स्थापना का शताब्दी वर्ष है। आरएसएस अयोध्या में बड़ा कार्यक्रम करने की तैयारी में है। इसलिए आरएसएस यहां मुख्यालय तैयार करा लेना चाहता है। ये संभवतः देश का सबसे बड़ा कार्यालय

होगा, जो 100 एकड़ में बना होगा। संघ सूत्रों ने बताया कि यहां बड़े आयोजन के साथ ही कार्यकर्ताओं के रहने की व्यवस्था होगी। दरअसल, कोविड की लहर थमने के बाद से ही आरएसएस के 3 बड़े कार्यक्रम यहां हो चुके हैं। इसमें अखिल भारतीय शारीरिक शिक्षा वर्ग और बौद्धिक शिक्षा वर्ग के आयोजन हैं। अगर नव्य अयोध्या टाउनशिप में संघ का मुख्यालय बनकर तैयार होता है तो यह अयोध्या में संघ का दूसरा मुख्यालय होगा। इससे पहले, साकेतपुरी कॉलोनी में लगभग 1 लाख वर्ग फीट में आरएसएस का प्रांतीय मुख्यालय साकेत निलयम बनकर तैयार हो चुका है। राम मंदिर से इसकी दूरी करीब 3 से 5 किलोमीटर है। दरअसल, श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण प्रारंभ होने के बाद से जिस तरह से संगठन की गतिविधियां और कार्यकर्ताओं का आवागमन बढ़ा है, उससे साकेत निलयम का विशाल परिसर भी छोटा महसूस होने लगा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा- भारतीय मुसलमानों के पास हिंदू डीएनए

अरशद मदनी को बंटवारे के समय पाकिस्तान भेजना था: गिरिराज

एजेंसी

नई दिल्ली। जमीयत के वरिष्ठ नेता अरशद मदनी के बयान पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने आपत्ति जताई है। गिरिराज ने कहा कि ये लोग जिन्ना की सोच वाले हैं, बंटवारे के समय इन्हें पाकिस्तान भेज देना चाहिए था। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि भारतीय मुसलमानों के पास हिंदू DNA है, क्योंकि वे इस्लामी शासन के दौरान कन्वर्ट हुए थे। बता दें दिल्ली में जमीयत उलेमा-ए-हिंद के दो दिन के अधिवेशन में अरशद मदनी ने अल्लाह और ओम को एक बताया था। मदनी RSS चीफ के उस बयान का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था- हिंदुओं और मुसलमानों

के पूर्वज एक जैसे हैं। मदनी ने कहा- तुम्हारे पूर्वज हिंदू नहीं, मनु थे यानी आदम। उनके इस बयान के विरोध में अधिवेशन में पहुंचे अलग-अलग धर्मगुरु मंच छोड़कर चले गए। मै मदनी को नहीं जानता, लेकिन मदनी हो या और कोई ये लोग भारत में मोदी की सरकार को बदनाम करने के लिए ये सब कर रहे हैं। 1400 साल इस्लाम की आयु है। इससे पुराना तो ईसाई धर्म है।

पुणे-नासिक हाईवे पर एसयूवी ने 17 महिलाओं को कुचला, 5 की मौत

एजेंसी

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे-नासिक हाईवे पर एक एसयूवी ने 17 महिलाओं को कुचल दिया। 5 महिलाओं ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। 12 महिलाएं गंभीर रूप से घायल हैं। इनका इलाज किया जा रहा है। पुणे शहर से करीब 50 किलोमीटर दूर शिरोली गांव के पास की यह घटना है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि 2 महिलाओं की मौके पर, जबकि 3 महिलाओं की इलाज के दौरान मौत हुई। अज्ञात कार चालक फरार है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर पुलिस उसकी तलाश कर रही है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक,

सभी महिलाएं रसोइया का काम करती हैं। सोमवार की रात लगभग 11 बजे कार्यक्रम से अपना काम खत्म कर घर लौट रही थीं। पुणे की बस से खरपुड़ी फाटा पर उतरी थीं। इसी दौरान सड़क पार करते समय हादसा हुआ। तेज रफ्तार एसयूवी ने महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी।

अडाणी एंटरप्राइजेज को तीसरी तिमाही में 820 करोड़ का प्रॉफिट

रिजल्ट के बाद शेयर 2% चढ़ा, एक साल पहले की तिमाही में घाटा हुआ था

एजेंसी

मुंबई। अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने मंगलवार को दिसंबर 2022 में खत्म तीसरी तिमाही के नतीजे घोषित किए। कंपनी को इस तिमाही में 820 करोड़ करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट हुआ है। जबकि एक साल पहले की समान तिमाही (दिसंबर 2021) में कंपनी को 12 करोड़ रुपए का नेट लॉस हुआ था। सितंबर 2022 की पिछली तिमाही में कंपनी ने 460 करोड़ का मुनाफा कमाया था। कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू 42% बढ़कर 26,612 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले की

समान तिमाही में ये 18,758 करोड़ रुपए था। वहीं कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 26,171 करोड़ हो गया, जो एक साल पहले (YoY) 19,047.7 करोड़ था। नतीजों के बाद अडाणी एंटरप्राइजेज के शेयर करीब 2% की तेजी के साथ बंद हुए। पहले इसमें 4% के करीब गिरावट थी। अडाणी पोर्ट्स के शेयर 1.86% बढ़े। वहीं ग्रुप की 10 में से 6 कंपनियों के शेयर 5% नीचे बंद हुए। इनमें ग्रीन एनर्जी, पावर, टोटल गैस, ट्रांसमिशन विल्मर और NDTV हैं। सीमेंट कंपनी अंबुजा में भी गिरावट रही, लेकिन ACC में 0.57% की तेजी देखी गई। गौतम अडाणी ग्लोबल अरबपतियों की लिस्ट में 24वें स्थान पर आ गए हैं। फोर्ब्स रियल-टाइम बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार 14 फरवरी को अडाणी की नेटवर्थ गिरकर 4.31 लाख करोड़ रुपए (52.2 बिलियन डॉलर) तक पहुंच गई। सोमवार को उनकी नेटवर्थ 4.49 लाख करोड़ रुपए (54.4 अरब डॉलर) थी और वो 23वें स्थान पर थे। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिपोर्ट आने से पहले वो लिस्ट में तीसरे नंबर पर थे। 24 जनवरी को हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। रिपोर्ट में ग्रुप पर मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप लगाए गए थे। रिपोर्ट के बाद ग्रुप के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। शुक्रवार, यानी 3 फरवरी को अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 1000 रुपए के करीब पहुंच गया था। हालांकि बाद में इसमें रिकवरी आई।

संपादकीय

सफेद सोने की खान

लीथियम भंडार हरित विकास हेतु गेमचेंजर

जम्मू-कश्मीर में पहली बार लीथियम के बड़े भंडार का मिलना देश का जैकपॉट लगने जैसा है। भारी वैश्विक मांग के चलते इसे सफेद सोने की संज्ञा दी जाती है। जिसकी असली वजह लीथियम का जीवन को पर्यावरण अनुकूल तरीके में ढालने में मददगार होना है। जो स्वच्छ ऊर्जा, इलेक्ट्रिक कार व पेसमेकर जैसे चिकित्सा उपकरणों में इस्तेमाल बैटरी में बेहद उपयोगी है। उल्लेखनीय है कि लीथियम-आयन बैटरी बनाने वाले शख्स को इस खोज के लिये नोबेल पुरस्कार मिला था। निस्संदेह इस उपलब्धि को पाने का श्रेय देश के भू-वैज्ञानिकों को जाता है, जो सालों से इसकी खोज में लगे हैं। हालांकि, इससे पहले 2021 में कर्नाटक में भी लीथियम मिला था, लेकिन उसकी मात्रा कम ही थी। यही वजह है कि भारत अपनी जरूरत के लिये लीथियम अधिक उपलब्धता वाले देश आस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना से मंगाता रहा है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर के रियासी की खोज पहले चरण में है और उसके खनन व परिष्कृत करने में अभी वक्त लगेगा, लेकिन यह देश तथा जम्मू-कश्मीर के विकास व समृद्धि के लिये महत्वपूर्ण पड़ाव कहा जा रहा है। हमें ध्यान रखना होगा कि रियासी की पारिस्थितिकी संवेदनशील हिमालयी क्षेत्र में है, अतः लीथियम उत्खनन में पर्यावरणीय चिंताओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। ऐसे में शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्यों की सीमा नजदीक आने के कारण हमें लीथियम के आयात पर निर्भर रहना होगा। यह हमारी आर्थिकी व पारिस्थितिकीय तंत्र को दुरुस्त बनाये रखने को भी जरूरी है। दुनिया में अब तक जिन देशों बोलविया, अर्जेंटीना व चिली में लीथियम बड़ी मात्रा में पाया गया है, उसे हासिल करने में दुनिया के शक्तिशाली देशों व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में होड़ लगी है। इसके खनन से उत्पन्न पर्यावरणीय संकट के खिलाफ इन देशों में जनाक्रोश में वृद्धि हुई है। वहां खनिज संपदा के लोकतंत्रीकरण व जनभागीदारी की बात कही जा रही है। लेकिन यह स्पष्ट है कि देश में लीथियम के विशाल भंडार मिलने के बाद औद्योगीकरण व विकास को नई दिशा मिलेगी। बहरहाल, बड़ा लीथियम भंडार मिलने से सकारात्मक प्रतिसाद मिला है। निश्चय ही इससे मोबाइल फोन व लैपटॉप उद्योग को भी संबल मिलेगा। करीब साठ लाख टन के इस विशाल भंडार मिलने से देश के इलेक्ट्रिक कार उद्योग में खासा उत्साह है। इससे देश को डीजल व पेट्रोल की गाड़ियों से होने वाले प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिल सकेगी। वहीं भारत द्वारा ग्लोबल वॉर्मिंग को कम करने के लिये किये गये वायदे को पूरा करने में यह सहायक होगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसके बाद दशक के अंत तक देश में इलेक्ट्रिक कारों के निर्माण में तीस प्रतिशत तक वृद्धि की जा सकेगी। वहीं अच्छी बात यह भी है कि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने जिस इलाके में यह बड़ी खोज की है, वहां लोगों की रिहाइश नहीं है, जिससे विस्थापन के संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। ऐसे में विश्वास किया जा रहा है कि लीथियम की खोज देश के विकास के लिये बदलावकारी परिणाम दे सकती है। साथ ही लीथियम उत्पादक देशों की सूची में शामिल होने से आत्मनिर्भर भारत की प्रतिष्ठा में भी इजाफा होगा। जो हमारे हरित और पर्यावरण अनुकूल भारत के लक्ष्यों को हासिल करने में मददगार साबित होगा। वहीं दूसरी ओर जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था के लिये रोजगार व विकास की दृष्टि से भी यह उपलब्धि बहुआयामी होगी।

सुभद्रा कुमारी चौहान ने जनता में जगाई राष्ट्रीयता की अलख

देश की आजादी के लिए वे कांग्रेस (उस समय राजनीतिक दल नहीं, आजादी प्राप्त करने के लिए एक संस्था मात्र थी) की सदस्य बनीं और महात्मा गांधी की लाड़ली रहीं। वे सेंट्रल प्रोविंस से विधानसभा की भी सदस्य रही थीं। सुभद्रा जी के भाषणों के कारण जिस प्रकार से देश में देश भक्ति का ज्वार पैदा हो रहा था, उसके चलते अंग्रेजों ने सुभद्रा जी को नागपुर में न्यायालयीन हिरासत में लिया गया। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सुभद्रा कुमारी चौहान को अनेक बार अंग्रेजों की प्रताडऩा का शिकार होना पड़ा और अनेक बार जेल यातनाएं भी भोगीं, लेकिन इसके बाद भी उनके मन में स्वतंत्रता पाने की चाहत कमजोर नहीं हुई। यही भाव उनकी कविताओं के माध्यम से प्रकट हुए। जो चिरस्थायी की भांति आज भी मन को झंकृत कर देने वाली हैं।

लेखिका- डॉ. वन्दना सेन/ 15 फरवरी पुण्यतिथि पर विशेष

स्वतंत्रता के संग्राम में योगदान देने वाली ऐसी कई महिला महानायक भी हैं, जिन्होंने आजादी के लिए किए गए यज्ञ में अपनी आहुति देकर स्वतंत्रता की मशाल को जलाए रखा। स्वतंत्रता की कहानी को काव्यमय शब्द प्रदान करने वाली लेखिका व कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने एक ऐसी कविता लिखी, जो आज भी गुनगुनाई जा रही है। सुभद्रा जी के मन में वीरांगना के प्रति जो भाव उमड़ रहा था, उसी को कविता के रूप में प्रकट करके जन जन में प्रवाहित करने का काम किया। उन्होंने देश के नागरिकों के मन में स्वतंत्रता का भाव जगाया। 1922 में महाकौशल अंचल के जबलपुर में देश का प्रथम झंडा सत्याग्रह किया गया था। जिसमें सुभद्रा जी पहली महिला सत्याग्रही थीं। इस सत्याग्रह में प्रतिदिन सभाएं होती थीं, और इन सभाओं में सुभद्रा कुमारी चौहान अपनी वाणी से देश भाव को प्रकट करती थीं। देश की स्वतंत्रता के लिए किए जाने वाले इन भाषणों और कविताओं में एक ऐसा प्रवाह दिखाई देता था, जिसे सुनकर अनेक महिलाएं और पुरुष स्वतंत्रता की बलिबेदी पर जीने मरने तक तैयार हो जाते थे। देश की आजादी के लिए वे कांग्रेस (उस समय राजनीतिक दल नहीं, आजादी प्राप्त करने के लिए एक संस्था मात्र थी) की सदस्य बनीं और महात्मा गांधी की लाड़ली रहीं। वे सेंट्रल प्रोविंस से विधानसभा की भी सदस्य रही थीं। सुभद्रा जी के भाषणों के कारण जिस प्रकार से देश में देश भक्ति का ज्वार पैदा हो रहा था, उसके चलते अंग्रेजों ने सुभद्रा जी को नागपुर में न्यायालयीन हिरासत में लिया गया। स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सुभद्रा कुमारी चौहान को अनेक बार अंग्रेजों की प्रताडऩा का शिकार होना पड़ा और अनेक बार जेल यातनाएं भी भोगीं, लेकिन इसके बाद भी उनके मन में स्वतंत्रता पाने की चाहत कमजोर नहीं हुई। यही भाव उनकी कविताओं के माध्यम से प्रकट हुए। जो चिरस्थायी की भांति आज भी मन को झंकृत कर देने वाली हैं। वीरोचित भाव को प्रकट करने वाली उनकी अमर कविता को देखिए-

सिंहासन हिल उठे, राजवंशों ने भृकुटी तानी थी,
बूढ़े भारत में भी आई, फिर से नई जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की कीमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन में ठानी थी।
खूब लड़ी मर्दानी, वह तो झांसी वाली रानी थी।

इसी प्रकार बच्चों में देश भाव को जगाने वाली बहुत ही प्ररणादायी बाल कविताएं भी सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखी हैं। इन रचनाओं में उनकी राष्ट्रीय भावनाएं प्रकट हुई हैं। हिन्दी के सुपरिचित हस्ताक्षर गजानन माधव मुक्तिबोध ने सुभद्रा कुमारी चौहान के राष्ट्रीय काव्य को हिंदी में बेजोड़ माना है- उन्होंने उस राष्ट्रीय आदर्श को जीवन में समाया हुआ देखा है, उसकी प्रवृत्ति अपने अंतःकरण में पाई है।

सुभद्रा जी की बेटी सुधा चौहान का विवाह प्रेमचंद के पुत्र अमृतराय से हुआ जो स्वयं अच्छे लेखक थे। सुधा ने उनकी जीवनी लिखी- मिला तेज से तेज। मिला तेज से तेज नामक पुस्तक में सुधा चौहान ने लिखा है कि सुभद्रा बचपन से ही निडर, साहसी, विद्रोही और वीरांगना थीं। उनकी रचनाओं से उनके स्वभाव की झलक देखी जा सकती है। उन्होंने लगभग 88 कविताओं और 46 कहानियों की रचना की, जिसमें अशिक्षा, अंधविश्वास, जातिप्रथा आदि रूढ़ियों पर प्रहार किया गया है। झांसी की रानी उनकी सदाबहार रचना है, जो आज भी विद्यालय पाठ्यक्रम में शामिल है और जल्दी ही बच्चे उससे स्वयं को जोड़ लेते हैं। बिखरे मोती, उन्मादिनी और सीधे-सादे चित्र उनके तीन लोकप्रिय कहानी-संग्रह हैं।

कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान एक साहित्य साधक थीं, अंग्रेज कभी नहीं चाहते थे कि सुभद्रा कुमारी चौहान अपनी लेखनी के माध्यम से स्वतंत्रता पाने के लिए अलख जगाएं, इसलिए उन्होंने जहां एक ओर सुभद्रा को प्रताड़ित किया, वहीं उनकी रचनाओं को जप्त कर लिया। चूंकि यह जप्त की गई कई रचनाएं सुभद्रा कुमारी चौहान को कंठस्थ थीं, इसलिए इन रचनाओं के जप्त करने से कोई फर्क नहीं पड़ा। इन्होंने अपने साहित्यिक तेज में किसी भी प्रकार की कोई कमी नहीं आने दी। इसलिए सुभद्रा कुमारी चौहान को साहित्य के क्षेत्र में स्वतंत्रता संग्राम की वीरांगना कहा जाए तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी। एक प्रसिद्ध कवयित्री के रूप में सुभद्रा जी की काव्य साधना के पीछे उत्कृष्ट देश प्रेम, अपूर्व साहस तथा आत्मोत्सर्ग की प्रबल कामना है। इनकी कविता में सच्ची वीरांगना का ओज और शौर्य प्रकट हुआ है।

जन्मजात प्रतिभाशाली वीरांगना सुभद्रा कुमारी चौहान और हिन्दी की महान साहित्यकार महादेवी वर्मा दोनों बचपन की सहेलियां थीं। जैसे जैसे इनका बचपन बीता, वैसे ही दोनों ने साहित्य के क्षेत्र में ऐसा नाम कमाया कि साहित्य का आकाश इनकी कविताओं से आच्छादित हो गया। इनकी रचनाओं ने अमरता की ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। खास बात यह है कि दोनों में आत्मीय भाव होने के कारण दोनों ही एक दूसरे की उपलब्धि पर ऐसे आत्मीय भाव प्रकट करती थीं, जैसे यह स्वयं की ही उपलब्धि थीं। दोनों ने एक-दूसरे के यश और कीर्ति से सुख पाया। ईर्ष्या का तो नामोनिशान ही नहीं था। आज की स्थितियों में ऐसे साहित्यकारों को खोज पाना टेढ़ी खीर ही है।

गांधी जी की असहयोग की पुकार को पूरा देश सुन रहा था। सुभद्रा ने भी स्कूल से बाहर आकर पूरे मन-प्राण से असहयोग आंदोलन में अपने को झोंक दिया। जिसमें उनके दो रूप दिखाई दिए। जहां एक ओर देश को स्वतंत्र कराने के लिए चलाए जा रहे आंदोलन में आगे रहने के लिए लालायित दिखाई देती थीं, वहीं दूसरे रूप में तोप के गोलों की भांति आग बरसाने वाली देश भक्ति कवि की भूमिका भी निभाती रहीं। जलियांवाला बाग के नृशंस हत्याकांड से उनके मन पर गहरा आघात लगा। इस कारण उनके मन का गुबार फूट पड़ा और उन्होंने तीन अग्नि की ज्वालाओं जैसी प्रखर कविताएँ लिखीं। जलियाँवाले बाग में वसंत में उन्होंने लिखा-

परिमलहीन पराग दाग-सा बना पड़ा है,
हां! यह प्यारा बाग खून से सना पड़ा है।
आओ प्रिय ऋतुराज! किंतु धीरे से आना,
यह है शोक-स्थान यहाँ मत शोर मचाना।
कोमल बालक मरे यहाँ गोली खा-खाकर,
कलियाँ उनके लिए गिराना थोड़ी लाकर।

सुभद्रा कुमारी चौहान के स्वभाव और आचरण से यह सहज ही ध्यान में आता था कि उनमें यह संस्कार बचपन की देन ही थी। पढ़ाई में सदैव आगे रहने वाली सुभद्रा कुमारी चौहान के शिक्षकों ने उनकी चंचलता और कुशाग्र बुद्धि के कारण यह अनुमान लगा लिया था कि ये बालिका राष्ट्रीय अवतार के रूप में अवतरित हुई है। वे बचपन से ही कविताएं लिखने लगी थीं। कविता लिखने के लिए सुभद्रा जी को किसी एकांत स्थान की आवश्यकता नहीं थी, बल्कि वह घर से विद्यालय जाते और आते समय तांगे में बैठकर ही लिख लिया करती थीं। इस तरह कविता की रचना करने के कारण से स्कूल में उनकी बड़ी प्रसिद्धि थी।

स्वतंत्रता सेनानी व कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान का जन्म 16 अगस्त, 1904 को उत्तर प्रदेश राज्य के इलाहाबाद स्थित निहालपुर गांव में हुआ था। वर्ष 1913 में नौ वर्ष की आयु में सुभद्रा की पहली कविता प्रयाग से निकलने वाली पत्रिका मर्यादा में प्रकाशित हुई थी। यह कविता सुभद्राकुंवरि के नाम से छपी। 14 फरवरी 1948 को वे नागपुर में शिक्षा विभाग की बैठक में भाग लेने गईं। 15 फरवरी को दोपहर के समय वे जबलपुर के लिए वापस चलीं। उनका बेटा कार चला रहा था। कार सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। सुभद्रा जी बेहोश हो गईं। अस्पताल के सिविल सर्जन ने देखकर बताया कि उनका देहांत हो गया है। उनका चेहरा एकदम शांत और निर्विकार था, जैसे गहरी नींद सोई हों।

आज का राशीफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मिथुन	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
कर्क	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।
कन्या	व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।
तुला	व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।
वृश्चिक	शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
धनु	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।
मकर	रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।
कुम्भ	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

महर्षि दयानंद सरस्वती जन्म जयंती

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन/15 फरवरी/ सत्य के उद्घोषक)

19 वीं सदी का समय सामाजिक, राष्ट्रीय चेतना व पुनर्जागरण की दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण एवं उपादेय काल रहा है। इस काल में अनेक महापुरुषों ने अपने जीवन की आहुति प्रदान कर राष्ट्र व समाज में एक नयी चेतना का विस्तार किया तथा भारत को स्वतंत्रता की ओर अग्रसर किया। उन्हीं महापुरुषों में अग्रणी थे स्वामी दयानंद सरस्वती, जिनके विचारों से प्रभावित कोटिशः जन स्वतंत्रता आंदोलन व राष्ट्रीय उत्थान में योगदान देने को तत्पर हुए। स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म 15 फरवरी, 1824 ई. को गुजरात के काठियावाड़ जिले के टंकारा ग्राम के एक समृद्ध ब्राह्मणकुल में हुआ था। पिता श्री कर्षन तिवारी व माता अमृताबाई थीं। स्वामी जी के बचपन का नाम मूलशंकर था। वे बचपन से ही अत्यंत प्रतिभावान थे। उन्होंने बाल्यकाल में ही यजुर्वेद व अन्यान्य शास्त्रों को कंठस्थ कर लिया था। बचपन में महाशिवरात्रि की एक घटना से उनके मन में कैवल्य के भाव प्रस्फुटित हुए और फिर वे सच्चे शिव की खोज में घर बार त्याग निकल पड़े। वर्षों तक संतों-महात्माओं से मिलकर उन्होंने योगादि की शिक्षा-दीक्षा ली। इसी बीच स्वामी पूर्णानंद सरस्वती से संन्यास दीक्षा ग्रहण कर वे स्वामी दयानंद सरस्वती कहलाए।

अनेक गुरुओं, संतों, महात्माओं से शिक्षा-दीक्षा ग्रहण करते हुए स्वामी जी मथुरा पहुंचे, जहां प्रज्ञाचक्षु महात्मा विरजानंद दंडी से मिलकर इसकी उनकी सच्चे गुरु की खोज पूर्ण हुई। वहां गुरु के सान्निध्य में वेद वेदांगादि ग्रंथों की शिक्षा पूर्णकर जब गुरुदक्षिणा की वेला आई, तब दयानंद एक मुट्ठी लौंग लेकर गुरु के समक्ष उपस्थित हुए। गुरुवर विरजानंद ने तब अपने इस प्रियशिष्य से कहा कि दयानंद, मुझे आपसे यह दक्षिणा नहीं चाहिए। यदि दक्षिणा देना ही चाहते हो तो इस समाज में व्याप्त अविद्या, पाखंड, अंधविश्वास, अनाचार, दुराचार, कुरीतियों व कुप्रथाओं को दूर कर सत्य, ज्ञान, सदाचार व सत्प्रथाओं का प्रसार करो। यही मेरी सच्ची गुरुदक्षिणा होगी। स्वामी दयानंद उसी समय गुरुदक्षिणा की पूर्ति के लिए निकल पड़े।

गुरु को दिए वचन को पूर्ण करने हेतु स्वामी जी इस समरभूमि में उतर पड़े। उनके प्रमुख अस्त्र बने वेद और सदा शिव (परमात्मा) के प्रति अगाध श्रद्धाभक्ति। उन्होंने अपना लक्ष्य राजा से लेकर समाज के अंतिम छोर पर स्थित व्यक्ति तक पहुंचने को बनाया। उनका वैदिक उद्घोष था कृण्वन्तो विश्वमार्यम् (संपूर्ण विश्व को श्रेष्ठ बनाओ) तथा वेदों की ओर लौटो। उन्होंने एक ओर समाज में व्याप्त कुरीतियों, ढोंग, पाखंड व अंधविश्वासों का प्रबल विरोध किया, वहीं सभी के लिए वेदादि के पठन-पाठन के द्वार खोलकर सद्विद्या, सदाचार व सन्मार्ग का पथ प्रदर्शन भी किया। समाज को सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने के लिए उन्होंने वैदिक वर्णाश्रम व्यवस्था का प्रबल अनुमोदन किया।

स्वामी जी कर्म के आधार पर वर्ण व्यवस्था का समर्थन करते हैं तथा जाति प्रथा का विरोध करते है। वे गुण-कर्म-स्वभाव के अनुसार विवाह पद्धति का समर्थन करते हैं। इसके लिए हमें स्वामी जी द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रंथ संस्कारविधि का अवलोकन करना चाहिए। शिक्षा के क्षेत्र में स्वामी जी ने वैदिक आर्ष पद्धति (प्राचीन ऋषियों की शिक्षा प्रणाली) का समर्थन किया, जिसमें बालक व बालिका सभी को अनिवार्य रूप से शिक्षित करने का प्रविधान है। उन्होंने अथर्ववेद के इस मंत्र ब्रह्मचर्येण कन्या युवानं विन्दते पतिम् तथा गोभिलगृह्यसूत्रादि के वचनों को प्रमाण रूप में प्रस्तुत कर कन्याओं को भी शिक्षा, यज्ञोपवीतादि सभी संस्कार तथा वैदिक कर्म करने-कराने का समान अधिकार दिया, इसका सुदृढ़रूप से प्रतिपादन किया तथा कन्याओं के लिए भी गुरुकुलों की स्थापना करवाई।

स्वामी जी ने अपने अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश में सभी के आचार व्यवहारों, शिक्षा, धर्म, राजनीति तथा कर्त्तव्यों का समुचित प्रबंध निरूपित किया है, जिसको वे अपने जीवनपर्यंत व्यवहार में यथावत पालन भी करते रहे। उन्हीं के बतलाये मार्ग पर चलते हुए आज भी कई गुरुकुल व डीएवी कालेज (दयानंद एंग्लो वैदिक कालेज) समाज में लोगों को शिक्षित व संस्कारित करते हुए दृष्टिगोचर होते हैं। उस समय वेद तथा वैदिक कर्मों व मान्यताओं के नाम पर विविध आडंबर समाज में प्रचलित हो चुके थे। स्वामी जी ने उन सबका कठोरता से खंडन किया तथा सत्यस्वरूप सबके समक्ष उपस्थापित किया। स्वामी जी अपने ग्रंथ यजुर्वेद भाष्य तथा ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका के माध्यम से वेदों व वैदिक मान्यताओं के वैज्ञानिक स्वरूप को सामने लाए। उन्होंने समाज की अनेक कुप्रथाओं की निस्सारता वैदिक तथ्यों के परिप्रेक्ष्य में प्रतिपादित की और उनके निर्मूलन में सफल हुए। उन्होंने माना कि अशिक्षा ही संपूर्ण अनर्थों का मूल है, अतः सभी को शिक्षित व विचारशील बनाने का प्रयत्न करते रहे। इसके परिणामस्वरूप बाल विवाह, अनमेल विवाह, सती प्रथा इत्यादि कुप्रथाएं समाज से दूर होने लगीं।

स्वामी जी स्वधर्म, स्वराज्य, स्वभाषा व स्वसंस्कृति के प्रबल परिपोषक थे। उस समय भारत विदेशी परतंत्रता के दंश झेल रहा था। ऐसे में स्वामी जी कैसे व्यथित नहीं होते? उन्होंने देखा और पाया कि कई समस्याओं का मूल पराधीनता ही है। इसके निर्मूलन से कतिपय समस्याएं स्वतः निर्मूल हो जाएंगी। अतः उन्होंने संपूर्ण भारत में भ्रमण कर लोगों मे राष्ट्रीय चेतना जाग्रत करने का काम किया।

स्वामी जी वेदों में अघ्न्या (न मारने योग्य) कही जाने वाली गायों की त्रासद स्थिति से अत्यंत दुखी थे। उन्होंने इसके लिए जनजागरूकता का प्रसार किया तथा गायों के महत्त्व को प्रत्येक रूप में उपयुक्त दर्शाने के लिए गोकरुणानिधि नामक ग्रंथ की रचना की। स्वामी दयानंद ने वर्ष 1875 में वैदिक ज्ञान के प्रचार-प्रसारार्थ ही मुंबई में आर्यसमाज की स्थापना की तथा अमर ग्रंथ सत्यार्थ प्रकाश का प्रणयन किया। यह ग्रंथ भारतीय संस्कृति को जानने-समझने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है। दयानंद जी विचारों से अनेक महापुरुष प्रभावित हुए, जिन्होंने समाज को नई दिशा प्रदान की। इनमें मुख्यतः स्वामी श्रद्धानंद, प. गुरुदत्त विद्यार्थी, श्याम कृष्णन वर्मा, लाला लाजपतराय, लोकमान्य तिलक, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, वीर सावरकर, मदन लाल ढींगरा, महात्मा हंसराज आदि शामिल हैं। ये कार्य तत्कालीन परतंत्र भारत में बहुत कठिन थे। यह हम इसी से अनुमान लगा सकते हैं कि उन्हें विविध रूपों में 17 बार विष दिया गया, जिनका उपशमन उन्होंने अपनी यौगिक क्रियाओं के बल पर करने का प्रयास किया। कई बार उन्हें अपनों का बैरी तक बनना पड़ा, लेकिन वे सत्य के मार्ग से विचलित नहीं हुए। अंत में षड्यंत्रपूर्वक विरोधियों ने पुनः तीक्ष्ण विष देकर स्वामी जी की प्राणलीला समाप्त कर दी। वर्ष 1883 दीपावली के दिन ईश्वरेच्छा बलीयसी अर्थात् हे ईश्वर! तेरी इच्छा पूर्ण हो, कहते हुए यह दिव्यज्योति परम ज्योति में विलीन हो गई।

पूर्वोत्तर के चुनाव कुछ अलग, कुछ खास!

(लेखक-ऋतुपर्ण दवे)

साल 2023 भारत के लिए चुनाव के लिहाज से बेहद अलग होगा। 9 राज्यों के चुनाव होने हैं। तीन राज्यों में घोषणा के साथ शंखनाद हो चुका है। राजनीतिक गलियारों में राज्यों के नतीजों से आम चुनाव के लिए नब्ज टटोली जाती है। कभी सत्ता का सेमीफाइनल तो कभी जनता के मिजाज बताकर देखा जाता है। 2024 में आम चुनाव होने हैं। वैसे भी दुनिया में लोकतंत्र के लिहाज से भारत की खास पहचान है। हर साल और हर मौसम में कहीं न कहीं और कोई न कोई चुनाव होता रहता है। यही हमारे लोकतांत्रिक ढांचे की खूबसूरती है और मजबूत जनादेश की व्यवस्था भी। पूर्वोत्तर के राज्य त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड में चुनावी ऐलान के साथ राजनीतिक दलों की सक्रियता बढ़ गई है। जिन तीनों विधानसभाओं में चुनाव हैं और सभी में 60-60 सीटें हैं। विधानसभाओं के लिहाज से नगालैंड का 12 मार्च, मेघालय का 15 मार्च और त्रिपुरा का 22 मार्च को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। वहीं त्रिपुरा में 16 फरवरी को जबकि नगालैंड-मेघालय में 27 फरवरी को एक-एक चरण में मतदान होगा। नतीजे 2 मार्च को आएंगे।

त्रिपुरा में 2018 विधानसभा चुनाव में भाजपा जीती और 25 साल से शासन कर रहा लेफ्ट बेदखल हुआ। बिप्लब कुमार देब मुख्यमंत्री बने। 2022 में चौंकाने वाला निर्णय को मशहूर भाजपा ने बिप्लब देब की जगह राज्यसभा सदस्य डा. माणिक साहा को नया मुख्यमंत्री बना नया दांव खेला। इससे यह चुनाव बेहद रोचक होंगे। यहां 1967 से विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसमें 6 दशकों तक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस एक दूसरे के धुर विरोधी रहे। 2018 तक दोनों में राजनीतिक भिड़ंत होती थी। लेकिन भाजपा के पैर जमाते ही हालात बदले। अब 50 साल से ज्यादा पुराने धुर विरोधी यानी सीपीएम जो 35 साल और कांग्रेस जो 18 साल सत्ता में रहने के बाद अब गठबन्धन को मजबूर हैं। वजह भाजपा को सत्ता से रोकने के लिए दूसरा चारा नहीं है। वहीं 2018 में शून्य से शिखर तक पहुंची भाजपा की राहें भी उतनी आसान नहीं दीखती क्योंकि जिस इंडीजेनस पीपुल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा यानी आईपीएफटी के साथ गठबंधन कर सत्ता में पहुंची थी उसकी मंशा पर भरोसा नहीं है। एक ओर जहां बीजेपी-आईपीएफटी गठबंधन जारी रहने की बात हो रही है। लेकिन एक अन्य क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा ने 2021 में त्रिपुरा ट्राइबल ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल यानी टीटीओडीसी चुनावों में ग्रेटर टिपरालैंड की मांग के साथ सफलतापूर्वक जीत हासिल कर अपनी अहमियत दिखा दी जिससे सियासी जमीन काफी मजबूत हुई। अब, आईपीएफटी टिपरालैंड नाम से अलग राज्य की मांग कर सियासी ताकत बढ़ा रहा है। दोनों की मांगे कमोवेश एक सी हैं इसीलिए कवायद दोनों को एकजुट रखने की है। लेकिन टिपरा मोथा प्रमुख प्रद्योत देब बर्मा की त्रिपुरा की राजनीति में नया विकल्प बनने की चाहत संबंधी कुछ इशारों से भाजपा की चिन्ता बढ़ गई है। त्रिपुरा का सियासी दंगल बेहद दिलचस्प होता दिख रहा है।

मेघालय में 2018 में नेशनल पीपुल्स पार्टी यानी एनपीपी 20 और भाजपा ने 2 सीट जीत गठबंधन सरकार बनी। कांग्रेस 21 सीट जीत सबसे बड़ी पार्टी बनकर भी सत्ता तक नहीं पहुंच सकी। यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी यानी यूडीपी को 8, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट यानी पीडीएफ को 2 सीटें मिली। एनपीपी के कोनराड संगमा मुख्यमंत्री बने। लेकिन जैसा कि अमूमन होता है, चुनाव पूर्व जोरदार राजनीतिक उथल-पुथल जारी है। अब एनपीपी-भाजपा के बीच दरार की बातें सुनाई दे रही हैं। थोड़ा पहले एनपीपी के दो, तृणमूल कांग्रेस के एक और एक निर्दलीय यानी 4 विधायक भाजपा में चले गए जबकि कांग्रेस के 12 विधायकों ने तृणमूल का दामन थामा तो कुछ एनपीपी में चले गए जिससे 2 कांग्रेसी विधायक ही बचे हैं उनके भी दलबदल की चर्चा है। इससे सियासी समीकरण गड़बड़ा गया। संभावना है कि एनपीपी और भाजपा दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ें। यहां भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी जैसी राष्ट्रीय पार्टियों के अलावा तमाम क्षेत्रीय दल भी ताल ठोंक रहे हैं। फिलाहाल नेशनल पीपुल्स पार्टी, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी, पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट, हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी, गारो नेशनल काउंसिल, खुन हैन्नीवट्रेप राष्ट्रीय जागृति आंदोलन, नार्थ ईस्ट सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी, मेघालय डेमोक्रेटिक पार्टी भी चुनाव में सक्रिय है। यहां 36 सीटों में महिलाओं की जनसंख्या पुरुषों से अधिक है। लेकिन राजनीति में महिलाओं की मौजूदगी ना के बराबर है। हो सकता है इस बार यह भी मुद्दा बने। नगालैंड में तो अनोखी सरकार है। विपक्ष है ही नहीं। सभी ने मिलकर सरकार बना डाली और चलाई। लेकिन वहां की मूल समस्या पर प्रभावी कुछ न होना अब चुनावी रण में चिन्ता का विषय है। वैसे भी अपनी अलग तरह की राजनीति को लेकर नागालैण्ड सुर्खियों में रहता है।

अडानी मामलाः केंद्र विशेषज्ञ समिति गठित करने के प्रस्ताव से सहमत

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय को बताया कि शेयर बाजार के लिए नियामकीय तंत्र को मजबूत करने के लिए विशेषज्ञों की समिति गठित करने प्रस्ताव को लेकर उसे कोई आपत्ति नहीं है। उच्चतम न्यायालय हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद अडानी समूह के शेयरों में गिरावट के मामले की सुनवाई कर रहा था। केंद्र सरकार ने हालांकि मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ को बताया कि व्यापक हित को देखते हुए वह सीलबंद लिफाफे में समिति के लिए विशेषज्ञों के नाम और उसके कार्यक्षेत्र की जानकारी देना चाहती है। केंद्र सरकार और सेबी की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि बाजार नियामक और अन्य वैधानिक इकाइयां हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद उपजी परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को समिति बनाने में कोई आपत्ति नहीं है लेकिन विशेषज्ञों के नामों का सुझाव हम दे सकते हैं। हम सीलबंद लिफाफे में नाम सुझा सकते हैं। मेहता ने आशंका जताई कि पैनल की स्थापना पर किसी भी अनजाने संदेश का धन प्रवाह पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। शीर्ष अदालत ने निवेशकों को नुकसान पहुंचाने और अडानी समूह के शेयरों को कृत्रिम तरीके से गिराने संबंधी दो जनहित याचिकाओं (पीआईएल) की शुक्रवार सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया है।

जनवरी में यात्री वाहनों की बिक्री बढ़कर 2.98 लाख इकाई हुई

नई दिल्ली । यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री इस साल जनवरी में 17 प्रतिशत बढ़कर 2,98,093 इकाई पहुंच गई। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने यह जानकारी दी। सियाम ने कहा कि माह के दौरान स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहनों (एसयूवी) सहित यूटिलिटी वाहनों की बढ़ती मांग से कुल यात्री वाहन बिक्री बढ़ी है। जनवरी, 2022 में वाहन कंपनियों ने डीलरों को 2,54,287 वाहनों की आपूर्ति की थी। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम ने कहा कि माह के दौरान यूटिलिटी वाहनों की बिक्री बढ़कर 1,49,328 इकाई पर पहुंच गई। एक साल पहले समान महीने में यह आंकड़ा 1,16,962 इकाई का रहा था। इसी तरह यात्री कारों की बिक्री 1,16,962 इकाई से बढ़कर 1,36,931 इकाई हो गई। वैन की बिक्री 10,632 इकाई से बढ़कर 11,834 इकाई पर पहुंच गई। जनवरी में यात्री वाहनों की बिक्री सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई। अप्रैल से जनवरी 10 माह की अवधि में यात्री वाहनों की बिक्री का आंकड़ा 30 लाख इकाई को पार कर गया है। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जनवरी की अवधि में यात्री वाहनों की कुल बिक्री 32 प्रतिशत बढ़कर 31,69,788 इकाई पर पहुंच गई। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यात्री वाहनों की बिक्री 24,03,125 इकाई रही थी।

नौकरी से बेदखल कर्मचारियों के समर्थन में ट्विटर मुख्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन

निकाले गए 700 टेस्ला श्रमिकों ने संगठित होने की कोशिश की

सैन फ्रांसिस्को । सैन फ्रांसिस्को में ट्विटर मुख्यालय के बाहर प्रदर्शनकारियों ने निकाले गए कर्मचारियों के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। मीडिया के अनुसार पिछले सप्ताहांत में 1355 मार्केट स्ट्रीट पर ट्विटर मुख्यालय के बाहर रैली निकाली गई। साथी कार्यकर्ता एंड्रयू कोंग नाइट के साथ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करने वाले स्टीव जेल्टजर को यह कहते हुए सुना गया कि रैली निकाले गए कर्मचारियों और कंपनी में बने रहने वाले दोनों के समर्थन में थी। जेल्टजर ने मीडिया से कहा कि हमें लगता है कि उन्हें (मस्क) श्रम कानूनों का पालन करना चाहिए। उनका श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाने का इतिहास रहा है। उन्होंने 700 टेस्ला श्रमिकों को निकाल दिया, जो संगठित होने की कोशिश कर रहे थे। इस कार्यक्रम में कलाकारों में एंग्री टायर्ड टीचर्स बैंड, एक श्रमिक समर्थक समूह शामिल था। बर्खास्त किए गए कुछ कर्मचारियों ने ट्विटर और मस्क के खिलाफ एक क्लास-एक्शन मुकदमा दायर किया है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि बर्खास्तगी में राज्य और संघीय श्रम कानूनों का उल्लंघन हुआ है। पिछले महीने, बर्खास्त किए गए ट्विटर कर्मचारियों के समूह को एक अमेरिकी न्यायाधीश ने मस्क के खिलाफ उनके क्लास एक्शन के मुकदमे को छोड़ने के लिए कहा था।

भारत क्रिप्टो खनन को विनियमित करने जी20 देशों से बात कर रहा हैः वित्त मंत्री

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद को बताया कि क्रिप्टो माइनिंग को रेगुलेट करने के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल तैयार करने के लिए भारत ने जी20 सदस्य देशों को अपने साथ लिया है। प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा में क्रिप्टो खनन विनियमन पर एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा` कि जी20 की अध्यक्षता में भारत इस मुद्दे को उठा रहा है और सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा कर रहा है, ताकि जी20 में चर्चा के बाद एक मानक ऑपरेटिंग प्रोटोकॉल उभर कर आए, जिसमें कुछ विनियमन लाने के लिए एक सुसंगत और व्यापक दृष्टिकोण हो, चाहे वह खनन हो या चाहे वह लेन-देन हो। सीतारमण ने यह भी कहा कि क्रिप्टो भारत में काफी हद तक अनियमित है, चाहे वह खनन हो या चाहे वह एक संपत्ति हो या चाहे वह लेनदेन हो। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि यह लगभग प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित है और इसे नियंत्रित या विनियमित करने में एक स्टैंडअलोन देश का प्रयास प्रभावी नहीं होगा।

अब एक आम सहमति बन रही है। यही कारण है कि जी20 में हम इस मुद्दे को उठा रहे हैं और विस्तृत चर्चा कर रहे हैं। सदस्यों के साथ, ताकि जी20 में विचार-विमर्श के बाद एक मानक संचालन प्रोटोकॉल उभर कर आए ताकि एक सुसंगत, व्यापक, सभी देश एक साथ काम कर रहे हों, इसमें कुछ विनियमन लाने के लिए एक तरह का दृष्टिकोण चाहे वह खनन हो या चाहे वह लेनदेन हो।

वित्तमंत्री ने कहा कि इस सब पर व्यापक रूप से गौर किया जा रहा है, क्योंकि तकनीक किसी सीमा को नहीं लांघती। वह द्रमुक सांसद टी. सुमथी के एक सवाल का जवाब दे रही थीं, जो जानना चाहते थे कि पर्यावरण को पूरा करने के लिए सरकार भारत में क्रिप्टो खनन को कैसे विनियमित करने की योजना बना रही है।

रुपया 13 पैसे बढ़कर 82.57 डॉलर

मुंबई । अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी आने से मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 13 पैसे मजबूती के साथ 82.57 प्रति डॉलर पर आ गया। फॉरेक्स डीलरों ने कहा कि घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी मुद्रा की आवक से भी निवेशकों की धारणा मजबूत हुई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.59 प्रति डॉलर पर खुलने के बाद और चढ़कर 82.57 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले कारोबारी सत्र की तुलना में 13 पैसे की बढ़त है। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 82.61 के निचले स्तर तक गया। इससे पहले सोमवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 12 पैसे टूटकर 82.70 पर बंद हुआ था। इस बीच छह मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत गिरकर 103.18 पर पहुंच गया।

अडानी ग्रुप डैमेज कंट्रोल के लिए बना रही है योजना, निवेशकों का जीतना चाहती है भरोसा

- कंपनी अब कर्ज चुकाने पर कर रही है फोकस, रेवेन्यू ग्रोथ के टारगेट को 40 फीसदी तक घटाया

नई दिल्ली । अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडनबर्ग से निपटने के लिए अडानी समूह ने अपनी स्ट्रेटजी बदल दी है। कंपनी डैमेज कंट्रोल के लिए योजना बना रही है। कंपनी निवेशकों का भरोसा जीतना चाहती है। इसके लिए कंपनी ने तैयारी कर ली है। कंपनी अब कर्ज चुकाने पर फोकस कर रही है। वहीं लागत में कैश बचाने तक फोकस कर रही है। शेयरों में लगातार आ रही गिरावट के बाद अडानी समूह ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ के टारगेट को 40 फीसदी तक घटाकर आधा कर दिया है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद कंपनी का मार्केट कैप 117 अरब डॉलर कर गिर चुका है। अब कंपनी अपने डैमेज को सुधारने में जुट गई है। कंपनी ने अपने रेवेन्यू ग्रोथ के टारगेट को घटा दिया है। कंपनी नए कैपिटल एक्सपेंडीचर की स्पीड को भी धीमा करने की तैयारी में है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक अडानी समूह ने अगले वित्तीय वर्ष के लिए ग्रोथ के टारगेट को 40 फीसदी से घटाकर 15-20 फीसदी ग्रोथ तय किया है। कंपनी ने केपैक्स प्लान को भी धीमा करने की योजना बनाई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद भंवर में फंसे अजानी कर्ज का प्रीपेमेंट कर रहे है। कैश बचाने से लेकर कैपिटल एक्सपेंडीचर प्लान में कटौती कर रहे हैं। अडानी पोर्ट्स, अडानी ट्रांसमिशन, अडानी ग्रीन एनर्जी के गिरवी रखे शेयरों को छुड़ाने की तैयारी की जा रही है। इतनी ही नहीं निवेशकों का भरोसा जीतने के लिए अडानी समूह ने हिंडनबर्ग के खिलाफ कानूनी लड़ाई का मन बना लिया है। इसके लिए न्यूयार्क के बड़े लॉ फर्म वॉचटेल से संपर्क किया जा रहा है। वहीं अजानी ग्रुप एक सामान्य ऑडिट के लिए बिग फोर अकाउंटिंग फर्मों में से एक को नियुक्त करने की तैयारी कर रहा है।

शेयर बाजार उछाल के साथ बंद

मुम्बई ।

शेयर बाजर मंगलवार को उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेज दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आई है। कारोबार के दौरान आज आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, बाजाज फाइनेंस और इंफोसिस के शेयरों में भारी उछाल आया। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब 600.42 अंक ऊपर आकर 61,032.26 अंक पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 151.95 अंक बढ़कर 17,922.85 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान आज आईटीसी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, बाजाज फाइनेंस और इंफोसिस के शेयरों में अच्छा कारोबार हुआ और इनके शेयरों में दो फीसदी की बढ़त रही। इन हेवीवैट शेयरों में खरीदारी लौटने से बाजार में सकारात्मक माहौल बना। जिससे बाजार में उछाल आया। वहीं ऑटो, मीडिया, फार्मा और रियल्टी में गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा

अडानी समूह के अधिकतर शेयरों में आज भी बिकवाली के कारण गिरावट रही। केवल अडानी इंटरप्राइजेज, एसीसी, और अडानी पोर्ट्स व स्पेशल इकॉनॉमिक जोन में ही हल्की बढ़त रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत हुई। शेयर बाजारों में आज शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स ने 222 अंकों की उछलकर खुला था। एशियाई और वैश्विक बाजारों भी आज बढ़त रही। निवेशकों ने शुरुआत से ही यूपीएल, इंफो सिस, अडानी पोटर्स, एचसीएल टेक्नोलॉजी और टीसीएस जैसी कंपनियों पर दांव लगाया और लगातार निवेश से इन कंपनियों के स्टॉक टॉप गेनर की सूची में आ गए। दूसरी ओर अपोलो हॉस्पिटल्स, बीपीसीएल, कोल इं डिया, कोटक मे हिंद्रा बैंक और एसबीआई लाइफ इंश्युरेंस जैसी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रही जिससे ये टॉप लूजर की सूची में चले गए। अगर सेक्े टरवार देखा जाए तो निफ्टी आईटी इंडेक्े स ने जबरदस्े त शुरुआत की और इस सेक्े टर में 0.9 फीसदी का उछाल दिख रहा है। दूसरी ओर निफ्टी रियलिटी इंडेक्स आज 0.6 फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा है।

अडानी ग्रुप के मार्केट कैप में 10 लाख करोड़ का नुकसान

- हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार आ रही है गिरावट

मुंबई । जनवरी के आखिरी सप्ताह में आई हिंडनबर्ग रिपोर्ट का असर लगभग दो कारोबारी हफ्तों में भी कम नहीं हुआ है। अडानी ग्रुप के मार्केट कैप में सोमवार तक 10 लाख करोड़ रुपए तक का नुकसान हो चुका है। सिर्फ सोमवार को ही ग्रुप की लिस्टिड कंपनियों के ज्वाइंट मार्केट कैप से 51,600 करोड़ रुपए से ज्यादा का घाटा हो चुका है। हाल ही में एमएससीआई ने ग्रुप की कंपनियों के वेटेज को कम किया है और मूडीज की ओर से भी रेटिंग में कटौती की है। इसके अलावा ग्रुप ने अपने कैपेक्स को भी कम किया है जिसके असर से सोमवार को अडानी ग्रुप की कंपनियों में 5 से 7 फीसदी तक की गिरावट देखने को मिली थी। आधी से ज्यादा कंपनियों में 5 फीसदी का लोअर सर्किट तक गया था। सोमवार की गिरावट ने समूह का मार्केट कैप को कम करते हुए 8.98 ट्रिलियन रुपए पर ला दिया तो कभी 19 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा था। 24 जनवरी को अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है और 13 कारोबारी दिनों में अडानी ग्रुप का मार्केट कैप से 10.2 ट्रिलियन रुपए साफ हो चुके हैं। इसका मतलब है कि ग्रुप 53 फीसदी डाउन हो चुका है। वैसे अडानी ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में लगाए आरोपों को निराधार और बेतुका बताया है। साथ ही गौतम अडानी ने हिंडनबर्ग से कानूनी लड़ाई के लिए अमेरिका की सबसे बड़ी लॉ फर्म को भी हायर लिया है। अडानी ग्रुप के स्पोक्सपर्सन का कहना है कि प्रत्येक कंपनी की बैलेंसशीट का काफी स्ट्रांग और हेल्दी है। 24 जनवरी के बाद अडानी इंटरप्राइजेज को 50.11, अडानी पोर्ट एंड एसईजेड को 27.29, अडानी पॉवर लिमिटेड को 43.20, अडानी ट्रांसमिशन को 59.11, अडानी ग्रीन एनर्जी को 64.05, अडानी टोटल गैस को 69.23, अडानी विल्मर को 27.71, एसीसी लिमिटेड को 21.95, अंबूजा सीमेंट को 31.32 और एनडीटीवी को 30.18 प्रतिशत का नुकसाना हो चुका है।

वर्ष 2023 में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़ेगीः रेड्डी

नई दिल्ली । इस साल जी-20 बैठकों और अन्य कारकों के कारण हवाई यात्रियों की संख्या और बढ़ने का अनुमान है। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी ने यह बात कही। मंत्री ने कहा कि सरकार विमान की एमआरओ (रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल) गतिविधियों के लिए देश को हब बनाने का भी प्रयास कर रही है। इसके साथ ही परिचालन उड़ान मार्गों और हवाई अड्डों की संख्या भी बढ़ा रही है। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा विमानन बाजार है। वहीं कोविड महामारी से इस क्षेत्र पर विपरीत प्रभाव पड़ने के बावजूद हवाई यातायात बढ़ रहा है। रेड्डी ने कहा कि जी20 बैठकों और अन्य कारकों के चलते 2023 के अंत तक हवाई यात्रियों की संख्या में वृद्धि होगी। भारत में घरेलू यात्रियों की संख्या 2014 में छह करोड़ थी, जो 2020 में कोविड-19 से पहले 14.30 करोड़ हो गई। अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रियों की संख्या भी 2.3 करोड़ से बढ़कर 3.5 करोड़ तक पहुंच गई है।

जनवरी में थोक महंगाई दर घटकर 4.73 फीसदी

- दिसंबर में थोक महंगाई दर का आंकड़ा 4.95 फीसदी रहा था

नई दिल्ली ।

निर्माण क्षेत्र के उत्पादों, ईंधन और ऊर्जा की कीमतों में राहत मिलने से देश में जनवरी 2023 में थोक महंगाई दर घटी है और ये 4.73 फीसदी पर आ गई है। दिसंबर में थोक महंगाई दर का आंकड़ा 4.95 फीसदी रहा था। इस तरह महीने दर महीने आधार पर थोक महंगाई दर 0.2 फीसदी घटी है। जनवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर साढ़े छह फीसदी के पार जा पहुंची है। जनवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर बड़ी उछाल के साथ 6.52 फीसदी पर जा पहुंची है. जबकि दिसंबर 2022 में खुदरा महंगाई दर 5.72 फीसदी रही थी। जनवरी 2022 में खुदरा महंगाई दर 6.01 फीसदी रही थी। थोक महंगाई दर में गिरावट के पीछे मिनरल ऑयल, कैमिकल प्रोडक्ट्स और टेक्सटाइल के साथ कच्चे तेल के दाम और नैचुरल गैस के दाम नीचे आने का कारण है। खाने-पीने की चीजों के दाम जनवरी में बढ़ गए हैं। जनवरी में खाद्य महंगाई दर में बढ़त देखी गई है और ये 2.95 फीसदी पर जा पहुंची है। दिसंबर 2022 में ये 0.65 फीसदी पर आई थी। खाने-पीने की अन्य वस्तुओं की महंगाई दर देखी जाए तो दालें और दूध के उत्पादों की महंगाई दर में तेजी देखी गई है। दालों की महंगाई दर में इजाफा देखा गया है और ये 15.65 फीसदी पर आ गई थी। इससे पिछले महीने दिसंबर 2022 में दालों की महंगाई दर 14 फीसदी पर रही थी। दूध के प्रोडक्ट्स की महंगाई दर में भी तेजी देखी गई है और ये

जनवरी 2023 में बढ़कर 8.96 फीसदी पर आ गई है। ये दिसंबर में 6.99 फीसदी पर रही थी। आरबीआई ने महंगाई दर के लक्ष्य को 4-6 फीसदी के बीच रखा हुआ है और थोक महंगाई दर का आंकड़ा इस तय लक्ष्य के भीतर ही रहा है। रिजर्व बैंक के लिए ये राहत भरी खबर हो सकती है।

ओकाया का नया ई स्कूटर फास्ट एफ 3 लॉन्च

-स्कूटर है पूरी तरह से वाटरप्रूफ और डस्ट रेजिस्टेंट

नई दिल्ली । ओकाया कंपनी ने अपना नया ई स्कूटर फास्ट एफ 3 लॉन्च कर दिया है। ओकाया ने नया फास्ट एफ 3 नए फीचर्स और स्पेसिफिकेशंस के साथ इंट्रोड्यूस किया है। यह एफ 3 स्कूटर सिंगल चार्ज पर 125 किमी की रेंज देगा। कंपनी का दावा है कि ये स्कूटर पूरी तरह से वाटरप्रूफ और डस्ट रेजिस्टेंट हैं। वहीं स्कूटर फुल लोडिंग कैपेसिटी के साथ 70 किमी। प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार भी देता है। कंपनी ने स्कूटर को 6 कलर ऑप्शंस के साथ लॉन्च किया है। इसमें मैटेलिक ब्लैक, मैटेलिक स्यान, मैट ग्रीन, मैटेलिक ग्रे, मैटेलिक वाइट और मैटेलिक सिल्वर ऑप्शंस आपके लिए अवेलेबल होंगे। कीमत की बात की जाए तो ये 99999 रुपये एक्स शोरूम पर उपलब्ध है। स्कूटर में 1200 वाट की मोटर लगाई गई है जिसे 3.35 किलोवाट की लिथियम आयन एलएफपी डुअल बैटरी सपोर्ट करती है। स्कूटर में स्विचेबल बैटरी ऑप्शन अवेलेबल है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अंशुल गुप्ता के अनुसार राइड क्वालिटी के साथ ही फीचर्स का बेहतर एक्सपीरिएंस और लंबी रेंज लोगों को मिल सके इसके लिए एफ 3 को खास तौर पर डिजाइन किया गया है। स्कूटर में रीजनरेटिव ब्रेकिंग, रिवर्स मोड, पार्किंग मोड के साथ ही 12 इंच ट्यूबलेस टायर, टेलिस्कोपिक फ्रंट सस्पेंशन, रियर हाइड्रॉलिक स्प्रिंग शॉक अब्जॉर्बर हैं जो आपकी राइड को स्मूथ बनाते हैं। स्कूटर में 3 ड्राइविंग मोड्स दिए गए हें। इसे फुल चार्ज करने में 5 घंटे का समय लगता है। स्कूटर की बैटरी पर कंपनी 3 साल या 30 हजार किलोमीटर की वारंटी दे रही है। कंपनी के अनुसार ओकाया फास्ट एफ 3 को इंडियन मार्केट में बढ़ रही इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग और लोगों की जरूरतों के हिसाब से डिजाइल किया गया है। स्कूटर में सभी फीचर्स ऐसे दिए गए हैं जो हर राइडर की परेशानियों को सॉल्व कर सकें।

यूपी-बिहार से हरियाणा तक सस्ता हुआ तेल

- ब्रेंट क्रूड का भाव 85.87 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें पिछले 24 घंटे से स्थिर बनी हुई हैं, जिसका असर मंगलवार सुबह सरकारी तेल कंपनियों की ओर से जारी पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमतों पर भी दिखा। मंगलवार को यूपी से बिहार और हरियाणा तक कई शहरों में पेट्रोल और डीजल के खुदरा भाव नीचे आए हैं। हालांकि, दिल्ली-मुंबई जैसे देश के चारों महानगरों में मंगलवार को भी तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार यूपी के गाजियाबाद जिले में पेट्रोल के दाम 32 पैसे गिरकर 96.26 रुपए लीटर हो गए, जबकि डीजल 30 पैसे सस्ता होकर 89.45 रुपए लीटर बिक रहा है। बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 33 पैसे गिरा और 107.47 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 313 पैसे टूटकर 94.25 रुपए लीटर पहुंच गया है। हरियाणा की राजधानी गुरुग्राम में पेट्रोल 10 पैसे सस्ता हुआ और 96.89 रुपए लीटर बिक रहा है, जबकि डीजल 10 पैसे गिरकर 89.76 रुपए पहुंच गया है। कच्चे तेल की कीमत में बीते 24 घंटे में बदलाव नहीं आया है।

ब्रेंट क्रूड का भाव 85.87 डॉलर प्रति बैरल पर लगभग स्थिर बना हुआ है। डब्ल्यूटीआई का भाव भी 79.25 डॉलर प्रति बैरल के साथ स्थिर है। दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, गाजियाबाद में पेट्रोल 96.26 रुपए और डीजल 89.45 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गुरुग्राम में पेट्रोल 96.89 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.47 रुपए और डीजल 94.25 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

जल्द ही देखेंगे अब आप हवा में उड़ता ई प्लेन

नासा का अब नया धमाका, जल्द आएगा इलेक्ट्रिक फोन

नई दिल्ली ।

क्या आपने इलेक्ट्रिक एयरो प्लेन के बारे में सुना है। अब जल्द ही आप हवा में उड़ता ई प्लेन में भी देखेंगे। नासा की ओर से डिजाइन किया गया एक्स-57 मैक्सवेल नामक ये विमान अपने टेस्टिंग फेज को पास कर चुका है। इस नए प्लेन की टेक्नोलॉजी पर नासा कई सालों से काम कर रहा है। अब कमर्शियली यूज करने के लिए इसकी टेस्टिंग चल रही है। नासा का मानना है कि ये एयरोप्लेन एविएशन इंडस्ट्री में बड़ी क्रांति लेकर आएगा और उड़ान के दौरान खर्च होने वाले रुपयों को काफी हद तक बचाया जा सकेगी। नासा इस टेक्नोलॉजी पर कई सालों से काम कर रही है। दिसंबर 2017 में इंजीनियरों ने इसके बैटरी सिस्टम के टेस्ट को पास किया था। इसके फाइनल मॉडल में दो बड़ी इलेक्ट्रिक क्रूज मोटर जो कि 60 किलोवॉट की हैं और 12 हाई लिफ्ट मोटर्स जो कि 10.5 किलोवॉट की हैं, का उपयोग किया गया है। इसको कुछ इस तरीके से डिजाइन किया गया है कि ये कम एनर्जी कंज्यूम कर भी अपनी स्पीड को गेन कर सकता है। इस विमान को उड़ान भरने के लिए विंग पर लगे क्रूज मोटर्स लिफ्ट करते हैं।इसके साथ ही प्रोपेलर को

रोटेट कर रही मोटर्स एक्टिव हो जाती हैं। विमान के लिफ्ट होने के साथ ही प्रोपेलर्स तेजी से इसे आगे की ओर धकेलते हैं। इस विमान को डिजाइन करने के पीछे जीरो कार्बन एमिशन के साथ ही हाई स्पीड क्रूज एफिशिएंसी और साउंड पॉल्यूशन को कम करना है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विमान ने सफलता पूर्वक थर्मल टेस्टिंग को पास कर लिया है। क्लीवलैंड में नासा के ग्लेन रिसर्च सेंटर में ये टेस्ट हुआ और 147 डिग्री फॉरेनहाईट के टैंपरेचर पर क्रूज मोटर्स ने बिल्कुल सही परफॉर्म किया। नासा ने इस टेस्टिंग के लिए आर्टिफिशियल तौर पर एक्सट्री वेदर कंडीशंस को डवलप किया था और इस दौरान विमान ने टेक ऑफ और लैंडिंग आसानी से की। मालूम हो कि ऑटोमोबाइल मार्केट के बदलते ट्रेंड के चलते इन दिनों हर दिन नए इलेक्ट्रिक व्हीकल लॉन्च की खबरें हम पढ़ते सुनते रहते हैं। हर दिन आती नई ई कारों और बाइकों में लोगों का इंट्रेस्ट भी बढ़ रहा है।

लीवरपूल ने एवर्टन को 2-0 से हराया, गाक्पो ने किया टीम के लिए पहला गोल

लीवरपूल। दिग्गज मोहम्मद सालाह और कोडी गाक्पो के गोल से लीवरपूल ने अपने घरेलू मैदान पर इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल मैच में एवर्टन को 2-0 से शिकस्त दी। जुर्गेन क्लॉप के लिए टीम के प्रबंधन के तौर पर यह 250वीं जीत है। खराब लय से गुजर रही लीवरपूल ने ईपीएल में इस कैलेंडर साल (2023) में की पहली जीत दर्ज की है। टीम ने अलग-अलग टूर्नामेंट में इस साल आठ मैच खेले है और यह सिर्फ दूसरी जीत है। करत में फुटबॉल विश्व कप में प्रभावित करने वाले 23 साल के नीदरलैंड के खिलाड़ी कोडी गोक्पो ने इस मैच में लीवरपूल के लिए अपना पहला गोल किया। गोक्पो जनवरी में लीवरपूल से जुड़े है। उन्होंने मैच के 49वें मिनट में टीम की बढ़त को दोगुना किया। इससे पहले मोहम्मद सालाह ने 36वें मिनट में लीवरपूल को बढ़त दिलाई थी।

अक्षदीप, प्रियंका ने 20 किमी पैदल चाल में स्वर्ण के साथ Olympics के लिए क्वालीफाई किया

रांची।

अक्षदीप सिंह ने राष्ट्रीय पैदल चाल चैंपियनशिप में 20 किलोमीटर स्पर्धा में पुरुष वर्ग में राष्ट्रीय रिकॉर्ड कायम करते हुए मंगलवार को स्वर्ण पदक जीतने के साथ इस साल की विश्व चैंपियनशिप और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। पंजाब के 22 वर्षीय खिलाड़ी ने एक घंटा 19 मिनट और 55 सेकंड का समय निकालकर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। पिछला रिकॉर्ड अनुभवी संदीप कुमार के नाम था जिनका राष्ट्रीय रिकॉर्ड एक घंटा 20 मिनट और 16 सेकंड का था। संदीप ने हालांकि मंगलवार को निराशाजनक प्रदर्शन किया। वह एक घंटे 23 मिनट और 28 सेकंड के समय के साथ सातवें स्थान पर रहे। उत्तराखंड के सूरज पंवार एक घंटा 20 मिनट और 11 सेकंड के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जो विश्व चैंपियनशिप और ओलंपिक क्वालीफाइंग समय को हासिल करने से मामूली अंतर से चूक गए। दिल्ली के विकास सिंह एक घंटा 21 मिनट और आठ सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहें। इस स्पर्धा को 48 खिलाड़ियों ने पूरा किया। अगस्त में बुडापेस्ट में होने वाली दोनों विश्व चैंपियनशिप और 2024 ओलंपिक के लिए पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल का क्वालीफाईंग समय एक घंटा 20 मिनट 10 सेकंड है। इस आश्चर्यजनक परिणाम से पहले अक्षदीप का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ एक घंटा 23 मिनट 14 सेकंड था जो उन्होंने इसी चैंपियनशिप में पिछली बार हासिल किया था। महिलाओं की 20 किमी स्पर्धा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक प्रियंका गोस्वामी ने एक घंटा 28 मिनट 50 सेकंड के समय के साथ विश्व चैंपियनशिप और 2024 ओलंपिक दोनों के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने स्वर्ण पदक जीता लेकिन अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड एक घंटा 28 मिनट 45 सेकंड में सुधार करने से चूक गयी। उन्होंने यह रिकॉर्ड 2021 में बनाया था। तोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व कर चुकी 26 वर्षीय प्रियंका ने 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में महिलाओं की 10,000 मीटर पैदल चाल स्पर्धा में रजत जीता था। राजस्थान की भावना जाट एक घंटा 29 मिनट 44 सेकंड समय के साथ दूसरे और उनकी राज्य की सोनल सुखवाल एक घंटा 31 मिनट तीन सेकंड समय के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। अगस्त में बुडापेस्ट में होने वाली दोनों विश्व

चैंपियनशिप और 2024 ओलंपिक के लिए महिलाओं की 20 किमी पैदल चाल का क्वालीफाईंग समय एक घंटा 29 मिनट 20 सेकंड है। ओलंपिक 2024 के लिए क्वालीफाइंग समय (31 दिसंबर, 2022) शुरू होने के बाद अक्षदीप और प्रियंका एथलेटिक्स से 2024 खेलों के लिए क्वालीफाई करने वाले पहले भारतीय हैं।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर रवाना

बेंगलुरु ।

प्रीति की कप्तानी में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम आज सुबह दक्षिण अफ्रीका के लिए रवाना हुई। भारतीय टीम अपने इस दौरे में 17 से 25 फरवरी के बीच दक्षिण अफ्रीकी जूनियर महिला हॉकी टीम और दक्षिण अफ्रीका-ए टीम से खेलेगी। जूनियर महिला टीम 17, 18 और 20 फरवरी को दक्षिण अफ्रीका की अंडर-21 टीम से खेलेगी। वहीं 24 और 25 फरवरी को उसका मुकाबला दक्षिण अफ्रीका 'ए टीम से होगा। दौरे को लेकर उत्साहित कप्तान प्रीति ने कहा , टीम में हर कोई दक्षिण अफ्रीका में खेलने का बेसब्री से इंतजार कर रहा है। वहीं कुछ खिलाड़ियों के लिए यह पहला विदेश दौरा है और ऐसे में हम सभी प्रकार की चुनौतियों का सामना करने के लिए भी तैयार हैं। हमने बेंगलुरु के राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्र में लगे शिविर में अच्छा अभ्यास किया था। इस दौरान हमें सीनियर टीम को भी करीब से देखने का अच्छा अवसर मिला था। उन्होंने कहा, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ये मुकाबला एशिया कप अंडर-21 से पहले अपने प्रदर्शन को दिखाने का एक अच्छा अवसर होगा। दक्षिण अफ्रीका के इस दौरे से हमें उन क्षेत्रों को समझने का अवसर मिलेगा जिसमें सुधार की जरुरत है।

भारतीय स्टार सुमित नागल को बेंगलुरु ओपन में मिला वाइल्ड कार्ड

बेंगलुरु। भारत के स्टार टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल को मंगलवार को 20 से 26 फरवरी तक होने वाले बेंगलुरु ओपन 2023 के एकल मुख्य ड्रा में वाइल्ड कार्ड मिला है।25 वर्षीय पूर्व भारत नंबर 1 एटीपी चैलेंजर इवेंट के पांचवें सीजन में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री है, जिसे कर्नाटक राज्य लॉन टेनिस एसोसिएशन (केएसएलटीए) द्वारा यहां केएसएलटीए स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।बेंगलुरु ओपन के टूर्नामेंट निदेशक और केएसएलटीए के संयुक्त सचिव सुनील यजमान ने कहा, हम नागल को पांचवें बेंगलुरु ओपन सीजन का पहला वाइल्ड कार्ड देकर खुश हैं। वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने यहां अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता है। हम अपने भारतीय खिलाड़ियों को कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए एक विश्व स्तरीय मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस टूर्नामेंट के माध्यम से टेनिस की दुनिया के सर्वश्रेष्ठ नाम है। नागल उन खिलाड़ियों में से एक हैं, जिन्होंने यहां अच्छा प्रदर्शन किया है। नागल रोमांचक एकल मैच का हिस्सा होंगे, जिसमें पूर्व विश्व नंबर 10 लुकास पॉउली और पिछले साल के चैंपियन चुन-सीन त्सेंग शामिल हैं।नागल ने 2017 में इस टूर्नामेंट में अपना पहला एटीपी चैलेंजर खिताब जीता और उसके बाद अपने करियर में कुछ प्रभावशाली प्रदर्शन किए। उन्होंने इस टूर्नामेंट में क्रमशः 2018 और 2020 में अपने अन्य दो मुकाबलों के दौरान क्वार्टर फाइनल और प्री-क्वार्टर फाइनल भी पूरा किया था। क्वालीफायर 19 और 20 फरवरी से खेले जाएंगे, जबकि मुख्य ड्रॉ 20 फरवरी से शुरू होगा।

हॉकी टूर्नामेंट के पहले मैच में पंजाब का सामना गुजरात से

आंध्र प्रदेश,

शीर्ष दावेदार हॉकी पंजाब बुधवार को यहां 13वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के पहले मैच में हॉकी गुजरात से भिड़ेगी। इसी ग्रुप एफ के दूसरे मैच में दिन में उत्तर प्रदेश हॉकी का सामना हॉकी बंगाल से होगा, क्योंकि विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 26 टीमों के खिलाड़ी प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट में शीर्ष सम्मान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।

राष्ट्रीय चयनकर्ता इन मैचों को करीब से देख रहे हैं, शीर्ष प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के के साथ हॉकी इंडिया के राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रवेश करने का मौका मिलेगा। चैंपियनशिप ग्रुप स्टेज मैचों के साथ शुरू होती है, जिसमें टीमों को 8 ग्रुपों में विभाजित किया गया है।

हर ग्रुप के टॉपर्स क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगे।पूल डी में हॉकी हरियाणा, असम हॉकी और हॉकी बिहार को एक साथ रखा गया है और पूल ई में उत्तर प्रदेश हॉकी, हॉकी आंध्र प्रदेश और हॉकी बंगाल शीर्ष स्थान के लिए मुकाबला करेंगे। पूल ए में ओडिशा हॉकी संघ, हॉकी राजस्थान और केरल हॉकी शामिल हैं। पूल बी में हॉकी

कर्नाटक, हॉकी चंडीगढ़ और गोवा की हॉकी है। इसी तरह पूल सी में झारखंड, छत्तीसगढ़ हॉकी और उत्तराखंड हॉकी है।

हॉकी इंडिया द्वारा मार्की नेशनल चैंपियनशिप को आगे बढ़ाने के लिए की गई विभिन्न पहलों के बारे में बात करते हुए, डिफेंडिंग चैंपियन हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा के मुख्य कोच एडगर मस्करहेनस ने कहा, इस बार हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों के साथ-साथ युवाओं का अच्छा मिश्रण है। इसलिए यह लड़कियों के लिए सीनियर्स के साथ खेलने का एक शानदार अवसर होगा।

संक्षिप्त समाचार

पाक सुपर लीग के उदघाटन समारोह में लगी आग

लाहौर । पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के 2023 सत्र की शुरुआत अच्छी नहीं रही है और उदघाटन समारोह में आतिशबाजी से आग लग गयी। इस दौरान एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहां सत्र का पहला मुकाबला मुल्तान सुल्तान और लाहौर कलंदर्स के बीच हो रहा था तभी यह आग लगी। इससे लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पर तंज कसा है कि यह आग घटिया क्वॉलिटी की फ्लडलाइट्स होने के कारण लगी। उद्घाटन समारोह के दौरान हुई आतिशबाजी से फ्लडलाइट्स में से एक में आग लग गई थी। इस कारण शुरुआती मुकाबला भी करीब आधे घंटे देर से शुरु हुआ। इससे आर्थिक बदहाली से जूझ रहे पीसीबी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। आग लगने का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। मीडिया और सोशल मीडिया पर शेयर किए गए वीडियो में देखा जा सकता है कि आग आतिशबाजी के पटाखों से लगी। आग को बुझाने के लिए तत्काल फायर ब्रिगेड पहुंच गई थी हालांकि इस दौरान अफरा-तफरी का माहौल रहा। इस घटना में किसी के भी घायल होने की जानकारी नहीं है। आग पर काबू पाये जाने के बाद मैच शुरु हुआ जिसमें लाहौर कलंदर्स ने मुल्तान सुल्तानों को एक रन से हराया। मुल्तान सुल्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने इस मैच में टॉस जीतकर लाहौर को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। इस मैच में फखर जमां की 42 गेंद में 66 रन की शानदार पारी से मेहमान टीम ने छह विकेट पर 175 रन बनाए। इसके बाद में मुल्तान की टीम ने सलामी बल्लेबाज शान मसूद और रिजवान के साथ पारी शुरु की। अच्छी शुरुआत के बाद मध्यक्रम के नाकाम रहने से टीम अंत में 50 गेंदों पर 75 रन बनाकर आउट हो गयी।

रोहित ने सफल डब्लयूपीएल नीलामी के लिए अपनी फ्रेंचाइजी को बधाई दी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी आईपीएल फेंचाइजी मुम्बई इंडियंस को महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) नीलामी में सफल रहने पर बधाई दी है। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के पहले संस्करण के लिए सोमवार को नीलामी हुई थी। रोहित ने सफल नीलामी पर ट्वीट किया, हमारा परिवार अब और बड़ा व मजबूत हुआ है। सफल नीलामी के लिए मुंबई पल्टन को बधाई। हमारी महिला टीम को ब्लू और गोल्ड में देखने का इंतजार कर रहे हैं। मुम्बई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित कई प्रमुख खिलाड़ियों को अपनी टीम से जोड़ा है। मुम्बई ने हरमनप्रीत को 1.8 करोड़ रुपए में खरीदा। हरमनप्रीत के अलावा मुम्बई ने कई देशी विदेशी खिलाड़ियों को भी खरीदा। मुम्बई ने इंग्लैंड की नेट साइवर-ब्रंट , न्यूजीलैंड की अमेलिया केर के अलावा भारतीय टीम की पूजा वस्त्राकर , यस्तिका भाटिया जैसी खिलाड़ियों को भी खरीदा। टीम ने इसके अलावा अन्य विदेशी खिलाड़ियों हीदर ग्राहम (ऑस्ट्रेलिया), इस्सी वोंग (इंग्लैंड), हेले मैथ्यूज (वेस्टइंडीज), क्लो ट्रायॉन (दक्षिण अफ्रीका) को भी खरीदा। डब्ल्यूपीएल का उद्घाटन संस्करण मुंबई में 4 से 26 मार्च तक मुंबई के दो स्थानों पर खेला जाएगा।

आईसीसी टी20 रैंकिंग : जेमिमा और घोष ने हासिल की बढ़त, मंधाना नंबर तीन पर बरकरार

दुबई,

भारत की जेमिमा रोड्रिग्स और ऋचा घोष महिला टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ शानदार जीत के बाद मंगलवार को जारी ताजा आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में क्रमशः 11वें और 36वें स्थान पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तान के खिलाफ नाबाद 52 रन बनाने वाली जेमिमा 13वें स्थान से 11वें पायदान पर आ गईं, जबकि घोष नाबाद 31 रन की पारी के बाद 42वें से 36वें स्थान पर आ गई। उंगली की चोट के कारण अभियान के पहले मैच से चूकने वाली उपकप्तान स्मृति मंधाना तीसरे स्थान पर भारतीय बल्लेबाज बनी हुई हैं। उनकी सलामी जोड़ीदार शेफाली वर्मा भी 10वें स्थान पर बरकरार हैं।इस बीच, पाकिस्तान की कप्तान बिस्माह मारूफ ने भारत के खिलाफ नाबाद 68 रन बनाकर तीन पायदान की छलांग लगाई और 30वें स्थान पर कब्जा कर लिया। वेस्टइंडीज की कप्तान हेले मैथ्यूज (चार पायदान ऊपर 18वें स्थान पर), आयरलैंड की गैबी लेविस (दो पायदान ऊपर 22वें स्थान पर) और ऑस्ट्रेलिया की एलिसे पेरी (चार पायदान ऊपर 25वें स्थान पर) अन्य खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्हें इस नई रैंकिंग में फायदा हुआ है। न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सलामी

बल्लेबाज एलिसा हीली की 55 रन की पारी ने उन्हें दो पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंचा दिया। श्रीलंका की कप्तान चमारी अथापथु (नौवें स्थान) टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं, जिसमें दक्षिण के खिलाफ यादगार जीत में 68 रन की मैच विजयी पारी भी शामिल है। गेंदबाजी रैंकिंग में, इंग्लैंड की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन और दक्षिण अफ्रीका की नॉनकुलुलेको म्लाबा ने शीर्ष दो में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

महिला प्रीमियर लीग को सबसे बड़ा घरेलू खेल टूर्नामेंट बनना है लक्ष्य : जय शाह

मुंबई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की सफल नीलामी पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य इस लीग को महिलाओं का सबसे बड़ा घरेलू खेल टूर्नामेंट बनाना है। साथ ही कहा कि यह लीग अन्य खेलों के लिए एक मिशाल बनेगी और सभी इससे प्रेरित होंगे। इससे खेलों की लीग को लेकर लोगों का रुख भी बदलेगा। बोर्ड सचिव ने कहा, डब्ल्यूपीएल महिला क्रिकेट को देखने के हमारे तरीके में क्रांति लाएगा। नीलामी के बेहद सफल रहने से कई प्रतिभाओं को एक बड़ा मंच मिला है जहां से वह अपने प्रदर्शन को दिखा सकती हैं। इससे युवा उभरते क्रिकेटरों को भी वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इस लीग के लिए विश्वभर के प्रशंसकों का सकारात्मक रुख रहा है। जो लीग के परिपक्व होने के साथ ही और भी बढ़ता रहेगा। इस दौरान यह लीग अन्य खेलों के लिए एक खाका तैयार करेगी जिस प्रकार आईपीएल के बाद अन्य खेलों के लिए हुआ था। डब्ल्यूपीएल महिलाओं के बीच बहु-शैली के खेल के विकास को तय करेगा। शाह ने कहा, एक गेंद फेंके बिना ही डब्ल्यूपीएल सबसे बड़ी खेल लीग है। महिला क्रिकेट अच्छी तरह से मुख्यधारा के खेलों में अपने को मजबूत करने के रास्ते पर है। डब्ल्यूपीएल का उद्घाटन संस्करण मुंबई में 4 से 26 मार्च तक दो स्थानों पर खेला जाएगा।

हर्नांडिज ने अंटार्कटिका के बर्फीले पानी में 2.5 किलोमीटर तैराकी कर बनाया रिकार्ड

नई दिल्ली । चिली की बारबरा हर्नांडिज ने अंटार्कटिका के बर्फीले पानी में 2.5 किलोमीटर तक तैराकी कर एक नया रिकार्ड बनाया है। हर्नांडिज के नाम इसी के साथ ही गिनीज बुक का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज हो गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार हर्नांडिज ने ग्रीनवीच द्वीप के चिली बे पर 45 मिनट और 50 सेकंड तक 35.6 डिग्री फारेनहाइट (तकरीबन 2.2 डिग्री सेल्सियस) ठंडे पानी में तैराकी की। तैराकी में हर्नांडिज बिना नियोप्रिन सूट या सुरक्षात्मक उपकरणों के सामान्य स्विमसूट में नजर आयीं। इतने ठंडे पानी में तैरते समय हर्नांडिज ने केवल एक सामान्य स्विमसूट पहना हुआ था। हर्नांडिज को साल 2020 में वर्ल्ड ओपन वाटर स्विमिंग एसोसिएशन ने सर्वश्रेष्ठ महिला तैराक का खिताब भी दिया था। उन्हें इसी कारण 'आइस मरमेड' नाम से भी जाना जाता है। यह उपलब्धि हासिल करने के बाद हर्नांडिज ने कहा, मैं बहुत खुश हूं और राहत का अनुभव कर रही हूं। अंटार्कटिका में तैराकी करना मेरा एक दशक पुराना सपना रहा था। विश्व के सभी सात महासागरों में तैराकी मेरा शौक रहा है।

हम नीलामी में खिलाड़ियों को एमआई परिवार से जोड़कर खुश हैं : नीता अंबानी

मुंबई,

महिला प्रीमियर लीग की नीलामी को मुंबई इंडियंस की मालिक नीता एम अंबानी ने महिला क्रिकेट के लिए एक बहुत ही खास दिन बताया है। उन्होंने कहा, नीलामी हमेशा अच्छी होती है लेकिन आज का दिन वास्तव में विशेष था। यह पहली नीलामी (डब्ल्यूपीएल के लिए) थी, इसलिए आज वास्तव में एक ऐतिहासिक दिन था। आज सभी नामों और आंकड़ों से अधिक, यह देखकर बहुत अच्छा लगा कि हर महिला क्रिकेटरों की प्रतिभा का उत्साह बढ़ा रहा है और इसका जश्न मना रहा है। नीलामी में नीता अंबानी के साथ आकाश अंबानी, महेला जयवर्धने, महिला टीम के लिए नई कोचिंग टीम चार्लोट एडवर्डस (मुख्य कोच), झूलन गोस्वामी (टीम मेंटर और बॉलिंग कोच) और देविका पलशिकार (बल्लेबाजी कोच) मौजूद रहे।खेल के प्रति उनके जुनून और अधिक महिलाओं और लड़कियों को खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित करने की प्रतिबद्धता को देखते हुए नीता अंबानी खिलाड़ी के चयन और भारत के कप्तान को बहुत पहले हासिल करने से खुश थीं। उन्होंने कहा, एक टीम के रूप में, जिस तरह से नीलामी हुई उससे हम बहुत खुश हैं। हम मुंबई इंडियंस में भारतीय कप्तान को पाकर बहुत खुश हैं, जहां हमारे पास पहले से ही पुरुषों का कप्तान है। हम (साइवर-ब्रंट), पूजा वस्त्रेकर और सभी प्रतिभाशाली महिलाएं जो एमआई परिवार में शामिल हो रही हैं। उनको देखने के लिए भी बहुत उत्साहित हैं।आईपीएल के आगामी सीजन में रोहित शर्मा के फेंचाइजी की कमान संभालने की दसवीं वर्षगांठ भी होगी और नीता अंबानी एमआई परिवार के लिए दोनों भारतीय कप्तानों के आने की संभावना को लेकर बेहद उत्साहित हैं।उन्होंने कहा, मैंने रोहित शर्मा को मुंबई इंडियंस में एक खिलाड़ी से कप्तान बनते देखा है और इस साल, हम मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में रोहित के 10 साल पूरे होते देख रहे हैं। अब हम हरमन (हरमनप्रीत कौर) का एमआई परिवार में स्वागत कर रहे हैं।उन्होंने कहा, वे दोनों महान अनुभव, मैच जीतने की

मानसिकता रखते हैं। वे हमारे सभी युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा हैं। इसलिए, हम इन दोनों खिलाड़ियों को पाकर वास्तव में खुश हैं।उन्होंने टी20 के इतिहास में दो सबसे सफल कप्तानों के बीच समानताएं भी बनाईं। अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति का हिस्सा बनने वाली पहली भारतीय महिला नीता अंबानी ने कहा कि डब्ल्यूपीएल भारत में महिलाओं के लिए खेल परिदृश्य के लिए एक बड़ा कदम साबित होगा।

महिला टी20 वर्ल्ड कपः श्रीलंका की विकेटकीपर अनुष्का संजीवनी पर लगा जुर्माना

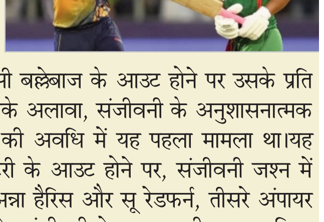

केपटाउन। श्रीलंका की विकेटकीपर अनुष्का संजीवनी पर रविवार को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2023 में बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के ग्रुप 1 मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता का उल्लंघन के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशतविकेटकीपर को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कार्मिकों के लिए आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन करते पाया गया, जो किसी बल्लेबाज के आउट होने पर उसके प्रति किसी भी भाषा, क्रिया या हावभाव का उपयोग करने से संबंधित है।इसके अलावा, संजीवनी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है, जिसके लिए 24 महीने की अवधि में यह पहला मामला था।यह घटना बांग्लादेश की पारी के 10वें ओवर में घटी, जब सोभना मोस्टरी के आउट होने पर, संजीवनी जश्न में आउट हुए बल्लेबाज के साथ गलत तरह से पेश आईं।मैदानी अंपायर अन्ना हैरिस और सू रेडफर्न, तीसरे अंपायर जैकलीन विलियम्स और चौथे अंपायर किम कॉटन ने आरोप लगाए थे। संजीवनी ने मामला स्वीकार कर लिया और मैच रेफरी के अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल के जीएस लक्ष्मी द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया। आईसीसी की एक विज्ञप्ति के अनुसार, इस तरह से कोई औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। हर्षिता समरविक्रमा और निलाक्षी सिल्वा ने शतकीय साझेदारी कर श्रीलंका को बांग्लादेश के खिलाफ केपटाउन में 127 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में मदद की थी।

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।
ललित कला में स्नातक क्या है?
ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।
अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंततः, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा: यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।
स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम:
बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए): इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।
ललित कला में कला स्नातक (बीए): यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए): यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए): इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं:

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं:

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीटयूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीटयूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में फायरिंग, 3 की मौत, 5 घायल

शिकागो । यूनिवर्सिटी पुलिस ने पुष्टि की है कि अमेरिका में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी में कैंपस में हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम पांच घायल हो गए। विश्वविद्यालय की प्रवक्ता एमिली गुएरेंट ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पहली गोली सोमवार रात परिसर के उत्तरी छोर पर 8ः18 बजे एक हॉल के अंदर दागी गई। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाद में पास के एक हॉल में गोलियों की कई आवाजें सुनी गई। पुलिस संदिग्ध की तलाश कर रही है, जिसके बारे में माना जा रहा है कि वह नकाबपोश नाटे कद का आदमी है। विश्वविद्यालय ने एक संदेश भेजा है, जिसमें छात्रों से तुरंत जगह सुरक्षित करने के लिए कहा गया है। घटनास्थल पर भागो, छिपो, लड़ो जैसे शब्द सुनाई दिए। लगभग 30 फायरट्रक, एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन वाहन परिसर में एक साथ घुसे और इलाके को सुरक्षित किया।

पाक में जेट फ्यूल की भारी कमी, कई कंपनियों ने रोका अपने विमानों का परिचालन

इस्लामाबाद । भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहे पाकिस्तान में विमानों और हेलिकॉप्टरों के लिए जेट फ्यूल की भारी कमी हो गई, जिससे विमानों की उड़ान को रोकना पड़ रहा है। पाकिस्तान के ईधी एयर एंबुलेंस समेत कई कंपनियों ने अपनी गतिविधियों को रोक दिया है। स्काई विंग्स एविएशन कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी है। इस बीच ब्रिटेन की चर्चित एयरलाइन कंपनी वर्जिन अटलांटिक ने तो पाकिस्तान से अपना बोरिया बिस्तर समेटने का ऐलान कर दिया है। ईधी एयर की सेवा बंद होने का खामियाजा पाकिस्तान के मरीजों को उठाना पड़ेगा। स्काई विंग्स एविएशन कंपनी पायलटों को ट्रेनिंग देने का काम करती है। उसने कहा कि ईधी एयर एंबुलेंस सेवा बंद होने गंभीर रूप से बीमार मरीजों की जान बचाने का काम ठप हो जाएगा। उसने दावा किया है कि स्?टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान ने जेट फ्यूल के लिए लेटर ऑफ क्रेडिट देने से मना कर दिया है। यह ईंधन कराची पोर्ट पर दिसंबर 2022 से फंसा हुआ है। इस कंपनी को यह जेट फ्यूल हासिल करने के लिए 23 हजार डॉलर चुकाने हैं और इसकी राशि को पहले ही एक बैंक में जमा कराई जा चुकी है। कंपनी ने कहा बैंक मामले को स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान के साथ उठाने से डर रहा है। ईधी एयर ने कहा हमने ईंधन की कमी के कारण अब मरीजों को आपातकाल में निकालने से मना कर दिया है। कंपनी ने इस संकट में सरकार की मदद मांगी है। दरअसल, पाकिस्तान के डॉलर का भंडार 3 अरब डॉलर से नीचे पहुंच गया है, जिससे वह जरूरी सामानों का आयात नहीं कर पा रहा है। इस बीच ब्रिटेन की चर्चित कंपनी वर्जिन अटलांटिक ने ऐलान किया है कि वह पाकिस्तान में अगले कुछ महीने में अपने सेवाओं को बंद करने जा रही है। वर्जिन अभी ब्रिटेन के हीथ्रो एयरपोर्ट से लाहौर और इस्लामाबाद के बीच उड़ान संचालित करती है। कंपनी ने कहा कि अभी वह 1 मई तक लंदन से लाहौर के बीच उड़ानों का संचालन जारी रखेगी। लंदन से इस्लामाबाद की उड़ान 9 जुलाई तक होती रहेगी। वर्जिन के प्रवक्ता ने कहा कि उन्हें उड़ानों को बंद करने बहुत ही कठिन फैसला लेना पड़ा है। इस एयरलाइन ने दिसंबर 2020 में पाकिस्तान में उड़ानों की शुरुआत की थी।

ब्राजील में ईसा मसीह की मूर्ति पर गिरी बिजली, कैमरे में कैद हुआ यह दुर्भाग्यपूर्ण दृश्य

ब्राजीलिया । ब्राजील से एक हैरतअंगेज क्षण की तस्वीर सामने आई है। इसमें दिख रहा है कि रियो डी जनेरियो में स्थित ईसा मसीह की 100 फुट ऊंची प्रतिमा पर बिजली गिरी है। यह आश्चर्यजनक दृश्य शुक्रवार को ब्राजील के तट पर आए एक तूफान के दौरान कैद किया गया था। यह बिजली मूर्ति के सिर पर गिरी। इसकी जो तस्वीर सामने आई है, उसमें दिख रहा है कि सिर के पीछे रोशनी है। इससे वह किसी ईश्वरीय आकृति की तरह लग रही है। इस आश्चर्यजनक तस्वीर को फर्नांडो ब्रागा ने कैद किया है। फर्नांडो ने इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस तस्वीर को लेकर उन्होंने बताया कि यह बिजली 10 फरवरी, शुक्रवार को गिरी है। बिजली शाम 6ः55 बजे गिरी है। उन्होंने बताया कि फोटो निकॉन डी800 कैमरे से खींचा गया है। इसके लिए 70-200 एमएम के लेंस का इस्तेमाल किया गया है। उन्होंने बिजली गिरने की एक और तस्वीर खींची, जो एक एंटीना पर गिरी थी। देखते ही देखते यह तस्वीर वायरल हो गई। इंस्टाग्राम पर उनकी पोस्ट को डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने लाइक किया। वहीं, ट्विटर पर यह तस्वीर लगभग 2 करोड़ से ज्यादा बार देखी गई है। इस तस्वीर को देख कर हर कोई हैरान था। ऐसा इसलिए क्योंकि यह जीसस की एक ऐतिहासिक मूर्ति है और बिजली गिरना एक दुर्लभ घटना है। कई लोगों ने इस तस्वीर को एक चमत्कार की तरह माना। कमेंट सेक्शन में एक यूजर ने लिखा कि इस फोटो में जीसस है या थॉर (पौराणिक बिजली के देवता)। मजाक के अलावा यह एक हैरान करने वाली घटना है। इस तस्वीर को खीचने में किस्मत ने भी साथ दिया है। ब्राजील में स्थित क्राइस्ट द रिडीमर दुनिया में ईशु की सबसे बड़ी मूर्ति है। ब्राजील के कोरोकोवाडो हिल के शीर्ष पर है। इस मूर्ति को दुनिया के सात अजूबों में 2007 में शामिल किया गया था।

नेपाल में ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों का सड़क पर प्रदर्शन, पुलिस वाहनों में लगाई आग

– ट्रांसपोर्ट कर्मचारी यातायात पुलिस की ज्यादतियों के खिलाफ कर रहे थे प्रदर्शन

काठमांडू । पड़ोसी देश नेपाल में आंदोलनकारी ट्रांसपोर्ट कर्मचारियों ने दो पुलिस वाहनों को आग लगा दी और सार्वजनिक व निजी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया क्योंकि वे यातायात पुलिस की ज्यादतियों के खिलाफ सड़क पर उतरे थे। काठमांडू घाटी का सार्वजनिक परिवहन दोपहर से ही चरमरा गया था क्योंकि परिवहन उद्यमियों ने न्यू बसपार्क क्षेत्र के आसपास विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। परिवहन कर्मियों ने राजधानी काठमांडू के आसपास रिंग रोड के खंड को जाम कर दिया था। पुलिस ने आंदोलनकारियों को तितर-बितर करने के लिए कई राउंड आंसू गैस के गोले दागे लेकिन स्थिति को नियंत्रण में नहीं ला पाई। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प हुई तो बवाल और तेज हो गया। आक्रोशित लोगों ने पुलिस की दो गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। एक वाहन बालाजू के पुलिस उपाधीक्षक का था, जबकि दूसरी गाड़ी पुलिस द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली एक पेट्रोलिंग वैन थी। आंदोलनकारियों ने क्षेत्र में एक अस्थायी पुलिस आश्रय भी जला डाला। उन्होंने अस्थायी यातायात पुलिस चौकियों में भी आग लगा दी। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर लाठी चार्ज भी किया था, लेकिन दोनों तरफ के घायलों की संख्या अभी पता नहीं चल पाई है। आंदोलनकारियों की अगुवाई कर रहे नेताओं ने तर्क दिया कि वे नए यातायात नियम सार्वजनिक परिवहन के हित में नहीं हैं। नए नियमों के अनुसार, घाटी में यातायात पुलिस यातायात नियम के उल्लंघन के लिए एनआर 1500 का जुर्माना वसूल रही है, जो पहली बार अपराध के लिए एनआर 500 से अधिक है। परिवहन इंडस्?ट्री से जुड़े लोगों की यह भी शिकायत है कि ट्रैफिक पुलिस सड़क के किनारे वाहनों को पार्क करने के लिए भी जुर्माना वसूल रही है, जिसकी भी रकम काफी है। आंदोलनकारी परिवहन संचालकों ने मांग की है कि संगठित बस स्टेशनों के अभाव में उन्हें कहीं भी गाड़ी खड़ी करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उनका धरना-प्रदर्शन नए ट्रैफिक नियमों के खिलाफ है। परिवहन संचालकों ने मंगलवार से काठमांडू घाटी के भीतर पब्लिक ट्रांसपोर्ट को ठप करने की योजना की भी घोषणा की है। द इंडिपेंडेंट ट्रांसपोर्ट वर्कर्स एसोसिएशन ऑफ़ नेपाल, ऑल नेपाल ट्रांसपोर्ट एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन और नेपाल ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन ने एक संयुक्त प्रेस बयान जारी कर कहा कि वे विरोध की खातिर काठमांडू घाटी में वाहनों का संचालन नहीं करेंगे।

न्यूजीलैंड में चक्रवात गेब्रियल का कहर, बारिश और बाढ़ से हालात खराब

क्राइस्टचर्च । न्यूजीलैंड सरकार ने उत्तरी द्वीप में एक उष्णकटिबंधीय तूफान के बाद मंगलवार को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की। न्यूजीलैंड के इतिहास में यह तीसरी बार है जब राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गई है। अन्य दो आपातकाल 2019 में क्राइस्टचर्च आतंकी हमले और 2020 में कोविड महामारी को दौरान लगाए गए थे। चक्रवात गेब्रिएल की वजह से न्यूजीलैंड के उत्तरी द्वीप में बड़े पैमाने पर बाढ़ आई है और भूस्खलन हुआ है। साथ ही समुद्री लहरें उमड़ रही हैं। न्यूजीलैंड में भारी बारिश और तेज हवाओं के कारण 40 हजार से ज्यादा घरों में बिजली गुल हो गई है और जबकि सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा उन छह क्षेत्रों पर लागू होगी जो पहले से ही एक स्थानीय आपातकाल की स्थिति घोषित कर चुके हैं। इनमें नॉर्थलैंड, ऑकलैंड, ताइराहिती, बे ऑफ प्लेंटी, वाइकाटो और हॉक्स बे शामिल हैं।

ब्रिटिश कोलंबिया में वेलैंटाइन डे पर फूलों के गुलदस्तों से सजी हुई एक दुकान।

पाकिस्तान की पहली हिंदू महिला लोकसेवक पंजाब में सहायक आयुक्त के तौर पर नियुक्त

पाकिस्तान की पहली हिंदू महिला लोकसेवक कही जाने वाली एक डॉक्टर को वर्तमान में पंजाब प्रांत के हसनअब्दाल शहर में सहायक आयुक्त और प्रशासक के तौर पर नियुक्त किया गया है जो शहर के इतिहास में पहली बार हुआ है। मीडिया में सोमवार को आई खबरों से यह जानकारी मिली। डॉक्टर सना रामचंद गुलवानी (27) सेंट्रल सुपीरियर सर्विसेज (सीएसएस) परीक्षा 2020 पास करने के बाद पाकिस्तान प्रशासनिक सेवा (पीएएस) में शामिल हुईं। 'डॉन' अखबार ने बताया कि उन्होंने अटक जिले के हसनअब्दाल शहर के सहायक आयुक्त और प्रशासक के रूप में पदभार ग्रहण किया। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार ने कहा कि गुलवानी ने अपने पहले प्रयास में परीक्षा पास की और हिंदू समुदाय के कई कार्यकर्ताओं के अनुसार विभाजन के बाद से परीक्षा पास करने वाली समुदाय की वह पहली पाकिस्तानी महिला हैं। खबर में कहा गया कि सिंध प्रांत के शिकारपुर शहर में पली-बढ़ीं गुलवानी संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में शामिल होने से पहले अपने माता-पिता की इच्छा पर डॉक्टर बनीं। गुलवानी ने अपनी परीक्षा पास करने के बाद कहा था, ''मुझे नहीं पता कि मैं पहली हूं, लेकिन (मैंने) अपने समुदाय से किसी (महिला) के परीक्षा में शामिल होने के बारे में कभी नहीं सुना।

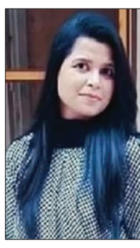

ब्रिटिश सांसद बॉब ब्लैकमैन का बड़ा बयान

-पूरी तरह से बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई पीएम मोदी पर बनी बीसीसी डॉक्यूमेंट्री

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के सांसद बॉब ब्लैकमैन ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर बनी ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) की डॉक्यूमेंट्री 'पूरी तरह से बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई' है। न्यूज 18 से बात करते हुए ब्रिटिश सांसद ने कहा, ÷बीबीसी ब्रिटिश सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। डॉक्यूमेंट्री एक हैचेट जॉब है। विवादास्पद दो-भाग वाली डॉक्यूमेंट्री सीरिज ने भारत में एक बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। डॉक्यूमेंट्री में 2002 के दंगों के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पीएम मोदी के कार्यकाल को दर्शाया गया है।

ब्लैकमैन ने कहा कि दो-भाग की श्रृंखला खराब पत्रकारिता का परिणाम है; खराब शोध किया गया है और पूरी तरह से अनुचित है। उन्होंने आगे कहा कि चीन भारत को घेरने की कोशिश कर रहा है। केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर और यूट्यूब को बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के लिंक को ब्लॉक करने का आदेश दिया था। बीबीसी डॉक्यूमेंट्री को 'प्रचार का टुकड़ा' करार देते हुए, केंद्र ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर और यूट्यूब को बीबीसी डॉक्यूमेंट्री के लिंक को ब्लॉक करने का आदेश दिया था।

बीबीसी की दो-भाग की सीरिज 'एक विशेष बदनाम कथा को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया और पूरी तरह से प्रोपगेंडा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने पिछले महीने कहा था, 'पूर्वाग्रह', 'वस्तुनिष्ठता की कमी', और 'निरंतर औपनिवेशिक मानसिकता' इसमें 'स्पष्ट रूप से दिखाई देती है' है।

यूक्रेन की आक्रामकता से चिंता में पड़ा नाटो, पुतिन से ज्यादा तबाही मचा रहे जेलेंस्की, भड़क सकता है रूस का गुस्सा

ब्रूसेल्स (एजेंसी) रूस और यूक्रेन के बीच महायुद्ध जारी है और इसे एक साल पूरा होने में कुछ ही दिन बचे हैं। अब तक लाखों रूसी और यूक्रेनी सैनिकों की मौत हो चुकी है, इसमें बड़ी संख्या में आम लोग भी शामिल हैं। युद्ध की वजह से अरबों-खरबों का नुकसान हो चुका है। रूसी सेना यूक्रेनी शहरों को श्मशान घाट बनाने पर उतारू है, तो यूक्रेन भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। अब यूक्रेन ने नाटो को टेंशन देना शुरू कर दिया है। नाटो चीफ ने कहा है कि यूक्रेन रोजाना इतने गोले दाग रहा है, जितना रूस एक साल में प्रयोग में लाता है। यूक्रेन के इस कदम से रूस भड़क सकता है जो पश्चिम देशों के लिए चिंता का कारण है। नाटो, अमेरिका और तमाम पश्चिमी देशो की मदद से नाटो के महासचिव जेंस स्टोल्टेनबर्ग ने चेतावनी देते हुए कहा कि यूक्रेन अपने साथियों के मुकाबले काफी तेजी से गोला-बारूद का इस्तेमाल कर रहा है और इससे पश्चिमी रक्षा उद्योगों पर दबाव बन सकता है, ठीक उसी तरह जैसे रूस ने अपने सैन्य आक्रमण को तेज किया है।

नाटो के रक्षा मंत्रियों के दो दिवसीय बैठक में स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि स्टोल्टेनबर्ग ने कहा कि वर्तमान में यूक्रेन हमारी उत्पादन क्षमता से कही अधिक तेजी से गोला-बारूद का इस्तेमाल कर रहा है। इससे हमारे रक्षा उद्योग पर दबाव पड़ेगा। एक अनुमान के मुताबिक, यूक्रेन प्रतिदिन 6000 से 7000 तोप के गोले बरसा रहा है और यह उतनी संख्या है, जितनी रूस एक साल में किसी युद्ध में इस्तेमाल में लाता है।

स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद शहाबुद्दीन अब बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति होंगे

ढाका । बांग्ला देश के मुख्य चुनाव आयुक्त काजी हबीबुल अवल ने सोमवार को घोषणा की कि अनुभवी स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद शहाबुद्दीन बांग्लादेश के 22वें राष्ट्रपति चुने गए हैं। मीडिया के अनुसार अवामी लीग के उम्मीदवार के प्रमुख बनने पर सोमवार को गजट अधिसूचना जारी की गई। शहाबुद्दीन अप्रैल 2013 से राज्य के मुखिया मोहम्मद अब्दुल हामिद की जगह लेंगे। स्वतंत्रता सेनानी मोहम्मद शहाबुद्दीन का जन्म 1949 में पाबना में हुआ था। वह बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के काल से राजनीति में थे और मुक्ति संग्राम में भाग लिया। वह पबना के एडवर्ड कॉलेज में अवामी लीग की छात्र इकाई और फिर जिला इकाई और उसके केंद्रीय निकाय का संचालन कर रहे थे। वर्ष1975 में बंगबंधु की हत्या के बाद राजनीतिक उथल-पुथल के दौरान शहाबुद्दीन वर्ष 1982 में सिविल सेवा में शामिल हुए और वर्ष 2006 में जिला और सत्र न्यायाधीश के रूप में सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने बाद में भ्रष्टाचार-विरोधी आयोग में भी काम किया। बांग्ला देश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की अध्यक्षता वाली सत्तारूढ़ अवामी लीग की नामांकन संस्था ने रविवार को देश के सर्वोच्च पद के लिए पबना के समर्पित राजनेता के नाम की सिफारिश की।

राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की उम्मीदवारी को चुनौती देंगी भारतीय मूल की निक्की हेली

– कहा– ये नई पीढ़ी के नेतृत्व का समय

वाशिंगटन (एजेंसी)। सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर निक्की हेली ने मंगलवार को ट्विटर पर 2024 रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के नामांकन के लिए अपने एक बार के बॉस को चुनौती दी। ट्रंप के शासन में संयुक्त राष्ट्र के पूर्व राजदूत ने वीडियो में कहा, ÷मैं निक्की हेली हूं और मैं राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ में हूं। हेली ने अपने अभियान की घोषणा करते हुए एक वीडियो में कहा कि हमारी सीमा को सुरक्षित करने और हमारे देश, हमारे गौरव और हमारे उद्देश्य को मजबूत करने के लिए यह नई पीढ़ी के नेतृत्व का समय है।

हेली ने कहा कि चीन और रूस आगे बढ़ रहे हैं। वे सभी सोचते हैं कि हमें धमकाया जा सकता है। आपको मेरे बारे में यह पता होना चाहिए कि मैं धमकाने वालों के साथ नहीं रखती हूं। जब आप पीछे हटते हैं, तो यह उन्हें और अधिक चोट पहुँचाता है । मैं निक्की हेली हूं, और मैं राष्ट्रपति के लिए रेस में हूं।

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक हेली बुधवार को साउथ कैरोलिना के चार्ल्सटन में एक कार्यक्रम के दौरान अपने अभियान का खाका पेश करेंगी। यदि सत्ता में चुनी जाती हैं, तो निक्की हेली संयुक्त राज्य अमेरिका की पहली महिला राष्ट्रपति और भारतीय मूल की पहली अमेरिकी राष्ट्रपति होंगी।

नेपाल और भारत दीर्घकालिक अवधि के आधार पर ऊर्जा निर्यात को मंजूरी देने पर सहमत हुए

काठमांडू ।(एजेंसी)। भारत के विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने सोमवार को अपने नेपाली समकक्ष भरत राज पौडयाल से मुलाकात के दौरान व्यापक द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की और नेपाल से भारत को दीर्घकालिक अवधि के आधार पर बिजली के निर्यात की अनुमति देने को लेकर प्रतिबद्धता जताई। क्वात्रा सोमवार को देश के शीर्ष राजनीतिक नेतृत्व के साथ दोनों देशों के बीच व्यापक बहुमुखी सहयोग पर बातचीत करने के लिए दो-दिवसीय दौरे पर सोमवार को यहां पहुंचे और संपर्क, व्यापार, रेलवे, ऊर्जा सहयोग, शिक्षा, स्वास्थ्य और लोगों से संपर्क सहित विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की।

नेपाली विदेश मंत्रालय ने बताया कि क्वात्रा ने यहां आते ही अपने नेपाली समकक्ष पौडयाल से मुलाकात की और दोनों पक्षों ने रेलवे, पारेषण लाइन, पुल सहित विभिन्न संपर्क परियोजनों की समीक्षा की तथा प्रगति पर संतोष व्यक्त किया। यहां जारी बयान में कहा गया, ''दोनों पक्षों ने विनिमय बाजार के सभी उत्पादों का इस्तेमाल करने के लिए नेपाल से भारत को दीर्घकालिक आधार पर ऊर्जा के निर्यात की अनुमति देने की प्रतिबद्धता जताई।

बयान के मुताबिक, ''दोनों पक्षों ने संशोधित ट्रांजिट संधि के शीघ्र पूरा करने, व्यापार समझौते की समीक्षा करने और व्यापार पर अंतर×सरकारी समिति गठित करने पर भी चर्चा की।'' बयान के मुताबिक दोनों विदेश सचिवों ने सीमा के मुद्दे पर भी चर्चा की और द्विपक्षीय स्तर पर बाकी बचे हिस्से में सीमा पर दीवार खड़ी कार्य करने के कार्य पर विचारों का आदान प्रदान किया गया। दोनों पक्ष विदेश सेवा अकादमियों में ज्ञापन समझौता को अंतिम रूप देने पर भी सहमत हुए।

नेपाल में भारतीय दूतावास ने ट्वीट किया, ''विदेश सचिव श्री विनय मोहन क्वात्रा ने नेपाल के अपने समकक्ष श्री भरत राज पौडयाल से मुलाकात की और भारत नेपाल के बीच व्यापक साझेदारी की समीक्षा की।'' दूतावास ने कहा, ''दोनों पक्ष, दोनों देशों तथा पूरे क्षेत्र के लाभ के लिए अपने आर्थिक एवं विकास सहयोग को और मजबूत करने पर सहमत हुए।'' दूतावास ने ट्वीट किया कि विदेश सचिव क्वात्रा ने नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' से मुलाकात की और इस दौरान आर्थिक विकास सहयोग सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को लेकर सार्थक बातचीत की।

क्वात्रा ने नेपाल की राष्ट्रपति बिद्या देवी भंडारी से शीतल निवास में शिष्टाचार भेंट की और भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की ओर से भेजे गए शुभकामना संदेश प्रेषित किया। इससे पहले क्वात्रा ने नेपाल की विदेश मंत्री बिमला राय पौडयाल से मुलाकात की और भारत तथा नेपाल के बीच व्यापक संबंधों को और मजबूत बनाने पर सार्थक विमर्श किया। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने ट्वीट किया, ''भारत और नेपाल के विदेश सचिवों ने द्विपक्षीय सहयोग से संबंधित विभिन्न मामलों पर चर्चा की। इसमें संपर्क, विद्युत व्यापार, कृषि, स्वास्थ्य एवं संस्कृति सहित अन्य विषय शामिल हैं। पौडयाल के करीबी सूत्रों ने बताया कि चर्चा के दौरान पौडयाल ने भारतीय विदेश सचिव से अंतरराष्ट्रीय हवाई मार्ग देने का अनुरोध किया ताकि नवनिर्मित गौतमबुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का प्रभावी परिचालन सुनिश्चित हो सके। दोनों अधिकारियों की मुलाकात के दौरान नेपाल को भारत की ओर से दी जाने वाली सहायता, निवेश में वृद्धि, संपर्क संबंधी समस्याओं को सुलझाने, द्विपक्षीय व्यापार के साथ-साथ ऊर्जा व्यापार के मुद्दे पर भी चर्चा की गई। पौडयाल ने जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर दक्षिण एशियाई देशों की अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक आवाज की व्यवस्था बनाने का भी सुझाव दिया। नेपाल में भारत के राजदूत रह चुके क्वात्रा के साथ नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की संभावित भारत यात्रा पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। प्रचंड ने कहा कि वह पद पर आसीन होने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर भारत जाएंगे।

अमेरिका को खुश करने में लगे रहे बाजवा, इसी का नतीजा है मौजूदा आर्थिक संकटः इमरान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा पर नए सिरे से हमला बोला है। इमरान खान ने कहा बाजवा ने देश हित में काम करने की जगह दूसरों को खुश करने की कोशिश की, जिसकी कीमत देश को चुकानी पड़ रही है। पूर्व पीएम इमरान खान ने कहा मौजूदा आर्थिक संकट इसी का नतीजा है। इस मौके पर पूर्व पीएम इमरान खान ने भारत के विदेश नीति की जमकर तारीफ की।

इमरान खान ने कहा जनरल बाजवा ने उनसे रूस के यूक्रेन पर हमले की निंदा करने को कहा था। इमरान के मुताबिक बाजवा ने उनसे यह तब कहा था जब वह रूस की यात्रा से लौटे थे। बाजवा से बातचीत को लेकर इमरान ने कहा मैंने रूसी राष्ट्रपति पुतिन से सस्ते दाम पर तेल को खरीदने की बात कही थी। मेरी यात्रा के दौरान ही रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया था। जब मैं पाकिस्तान लौटा तो जनरल बाजवा ने मुझसे रूस के हमले की निंदा करने को कहा था। इमरान ने कहा जब उन्होंने बाजवा को भारत की तरह तटस्थ रहने की सलाह दी तो बाजवा ने एक कार्यक्रम में रूस की निंदा शुरू कर दी। उन्होंने कहा मैंने बाजवा को कहा कि हिंदुस्तान अमेरिका का साथी है, फिर भी वह रूस की निंदा नहीं कर रहा। इसके बाद एक ग्रेड-22 ऑफिसर (बाजवा) विदेश नीति को लेकर बयान देता है, सिर्फ अमेरिका को खुश करने के लिए।

उन्होंने कहा कि हम भी भारत की तरह न्यूट्रल रहना चाहते थे। भारत आज भी सस्ता तेल ले रहा है। इस सबसे नुकसान किसका हुआ, सिर्फ पाकिस्तानी अवाम का। उन्होंने कहा पाकिस्तान ने अमेरिका को आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में खुश करने की कोशिश की और इसका नतीजा हुआ कि 80 हजार पाकिस्तानी लोग मारे गए। इमरान ने कहा भारत न्यूट्रल रहा और हमने अमेरिका को खुश करने के लिए रूस की निंदा कर दी। इसका नतीजा क्या हुआ? भारत की महंगाई 7.5 फीसदी थी, दुनिया में तेल महंगा हुआ लेकिन उनकी महंगाई 5.5 फीसदी पहुंच गई। हमारी 12 फीसदी से महंगाई 30 फीसदी पहुंच गई। क्योंकि हम महंगा तेल ले रहे थे। अब इसका नुकसान किसे हुआ? पाकिस्तानी जनता को।

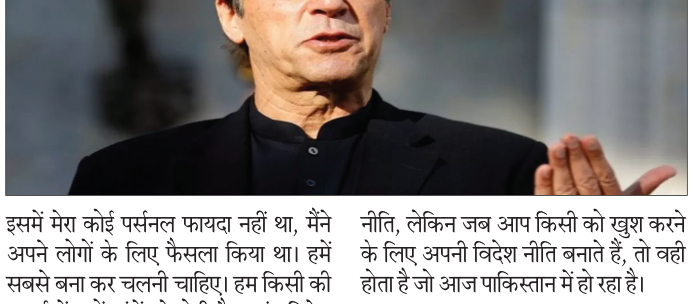

इसमें मेरा कोई पर्सनल फायदा नहीं था, मैंने अपने लोगों के लिए फैसला किया था। हमें सबसे बना कर चलनी चाहिए। हम किसी की लड़ाई में क्यों फंसें। ये होती है स्वतंत्र विदेश नीति, लेकिन जब आप किसी को खुश करने के लिए अपनी विदेश नीति बनाते हैं, तो वही होता है जो आज पाकिस्तान में हो रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कर्नाटक हाईकोर्ट ने पीड़िता व आरोपी की शादी के बाद पॉक्सो व रेप के आरोप किए रदद्

-पीड़िता ने बालिग होने के बाद आरोपी से शादी की

बैंगलुरू। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने पीड़िता और आरोपी की शादी के बाद यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत बलात्कार के आरोपों का सामना कर रहे एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द कर दी है। पीड़िता ने बालिग होने के बाद आरोपी से शादी की। मामला लंबित रहने के दौरान दंपती को एक बच्चा भी है। न्यायमूर्ति के नटराजन की अध्यक्षता वाली पीठ ने मांड्या के एक निवासी द्वारा उसके खिलाफ आईपीसी की धाराओं के तहत पॉक्सो और बलात्कार के आरोपों को रद्द करने की याचिका पर विचार करते हुए सोमवार को फैसला सुनाया। खंडपीठ ने कहा कि बच्चे और मां के हित को देखते हुए फैसला किया गया है। मामला मांड्या के द्वितीय अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय में विचाराधीन था। उच्च न्यायालय की पीठ ने टिप्पणी की कि पीड़िता अब वयस्क हो गई है और स्वतंत्र निर्णय लेने और जीवन साथी चुनने में सक्षम है। उसने आरोपी से शादी कर ली है और बिना शादी के उसका एक बेटा भी है। पीठ ने कहा कि वह आरोपी के खिलाफ मामला खत्म करने पर भी सहमत हो गई है। अदालत ने कहा कि पीड़िता, बच्चे और उनके भविष्य के हितों को ध्यान में रखते हुए आरोपी के खिलाफ पॉक्सो मामले को रद्द करना उचित है। पीड़िता के पिता ने 27 जनवरी 2021 को अरेकेरे थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि बच्ची जब अपनी नानी के यहां गई थी, तो लापता हो गई। बाद में वह आरोपी के पास मिल गई। पुलिस ने पॉक्सो और आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। लोक अभियोजक ने कहा कि पिता की यातना से परेशान होकर पीड़िता स्वेच्छा से आरोपी के साथ गई थी।

पलामू में नक्सलियों ने रेलवे की कन्स्ट्रक्शन साइट पर वाहनों में लगाई आग

रांची। झारखंड में रेलवे के कन्स्ट्रक्शन साइट्स पर नक्सलियों और अपराधियों के हमले नहीं रुक रहे। गत दिवस सोमवार की रात पलामू जिले के मोहम्मदगंज रेलवे स्टेशन के समीप नक्सलियों के हथियारबंद दस्ते ने रेलवे की साइट पर हमला कर कई गाड़ियों में आग लगा दी। एक बोलेरो जीप जलकर खाक हो गई, जबकि अन्य वाहनों में लगाई गई आग कन्स्ट्रक्शन कंपनी के कर्मियों ने बुझा दी। पिछले दो महीने में रेलवे साइट्स पर नक्सलियों व अपराधियों का यह चौथा हमला है। यह कन्स्ट्रक्शन साइट पूर्व मध्य रेल के सोननगर-गढ़वा रोड रेल खंड के अंतर्गत स्थित है। यहां भीम चूल्हा नामक स्थान के पास टनल निर्माण कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने कन्स्ट्रक्शन साइट पर हवाई फायरिंग की। उन्होंने निर्माण कार्य में लगे कर्मियों के साथ गाली-गलौज की। उन्होंने कहा कि उनकी इजाजत के बगैर इलाके में कोई काम नहीं हो सकती। पुलिस ने घटना स्थल से नक्सली संगठन टीएसपीसी (तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी) के नाम से एक पर्चा भी बरामद किया गया है। इसमें भी संगठन की ओर से कन्स्ट्रक्शन कर रही कंपनी को धमकी दी गई है। पूर्व में भी कई बार निर्माण कंपनी के कर्मियों को निशाना बनाया गया है। मोहम्मदगंज थाना प्रभारी अक्षय कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इसके पहले 18 जनवरी की रात सिमडेगा जिले में पीएलएफआई (पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया) के नक्सलियों ने ओड़गा नामक जगह पर रेलवे का निर्माण कार्य करा रही कंपनी के जेसीबी, पोकलेन मशीन और पानी टैंकर में आग लगा दी थी। इसके कुछ दिन पहले लातेहार जिले के चंदवा में रेलवे की साइट पर टीपीसी (तृतीय प्रस्तुति कमेटी) नामक नक्सली संगठन के हथियारबंद दस्ते ने हमला कर उत्पात मचाया था। अक्टूबर महीने में महुआमिलान के पास रेलवे के लिए निर्माण कार्य करा रही केईसी नामक कंपनी के साइट पर नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग की थी, जिसमें तीन कर्मचारी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे। रेलवे विकास निगम लिमिटेड रांची के मुख्य परियोजना प्रबंधक विशाल आनंद ने हमलों की लगातार हो रही घटनाओं पर राज्य सरकार के गृह विभाग को हाल में पत्र लिखकर सुरक्षा की गुहार लगाई थी। उन्होंने पत्र में ऐसी कुछ घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा है कि इस वजह से रेलवे की कई परियोजनाएं बाधित हो रही हैं।

अब यूपी में ड्रोन करेंगे रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा

लखनऊ। 'सावधानी हटी दुर्घटना घटी'। इसी मूल मंत्र के सहारे रेलवे प्रति वर्ष करोड़ों यात्रियों को उनकी 'मंजिल' तक सुरक्षित पहुंचाता है। अब इसी मूल मंत्र के सहारे रेलवे ड्रोन कैमरों से अपने स्टेशनों की सुरक्षा करने जा रहा है। देश के सबसे बड़े सूबे उत्तर प्रदेश में रेलवे स्टेशनों की निगरानी अब ड्रोन से भी होगी। ड्रोन कैमरे से उन स्टेशनों पर खासकर नजर रखी जाएगी जहां भीड़भाड़ अधिक होने की वजह से सुरक्षा की ज्यादा जरूरत होती है। इसी क्रम में लखनऊ के चारबाग, लखनऊ जंक्शन, अयोध्या, वाराणसी, प्रयागराज समेत कई बड़े स्टेशनों की सूची तैयार की जा रही है। अगले कुछ महीने में चिह्नित स्टेशनों पर ड्रोन की मदद से नजर रखी जाएगी। बजट में सुरक्षा के लिए 400 करोड़ मिलने के बाद रेलवे ने कई व्यवस्थाओं को और आधुनिक करने की तैयारी शुरू कर दी है। सीसीटीवी कैमरों से लैस रेलवे स्टेशनों की निगरानी के लिए ड्रोन तैनात किए जाएंगे। वहीं, अधिक यात्रियों वाले स्टेशनों पर हाई डायमेंशन के सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों की मदद से हर शख्स की गतिविधि पर नजर रखने में मदद मिलेगी। इसके लिए बकायदा कंट्रोल रूप भी स्थापित किया जाएगा। ऐसा होने से संदिग्धों का आसानी से पता लगाया जा सकेगा। इसके साथ ही सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ाने के भी निर्देश दिए गए हैं। स्टेशनों पर जरूरत के अनुसार लगेज स्कैनर और मेटल डिटेक्टर की सुविधा भी बढ़ाई जाएगी। बिना स्कैनिंग के कोई भी सामान प्लैटफॉर्म पर नहीं जाएगा। हादसों पर लगाम के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे फेसिंग भी बनवाई जाएगी। योजना के कार्यान्वयन के लिए सभी मंडलों से हादसों वाले क्षेत्रों की रिपोर्ट तलब की गई है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि संवेदनशील रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा मानकों को और मजबूत किया जाएगा। चारबाग और लखनऊ जंक्शन को बम से उड़ाने की आए दिन धमकी मिलती है। अयोध्या स्टेशन पर भी यात्रियों की संख्या बढ़ रही है। ऐसे में सुरक्षा के लिहाज से संबंधित स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था और सख्त की जाएगी। उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के डीआरएम सुरेश कुमार ने बताया कि सुरक्षा से जुड़े मानकों पर लगातार काम किया जा रहा है। इसके लिए बजट भी बढ़ाया गया है।

यूक्रेन के मित्र देश मोल्दोवा में भी तख्तापलट की तैयारी में हैं पुतिन : अमेरिका

नई दिल्ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडोमिर जेंलेस्की को सत्ता से हटाने और अपने देश में मिलाने के लिए रूस पिछले साल 24 फरवरी से यूक्रेन से लड़ाई लड़ रहा है। इस महायुद्ध में रूस पूरी ताकत लगा चुका है। इस बीच अमेरिका ने यह दावा करके सनसनी फैला दी है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक और देश में तख्तापलट की तैयारी कर रहे हैं। इस देश का नाम मोल्दोवा बताया जा रहा है। इस देश के राष्ट्रपति ने भी दावा किया है कि पुतिन उनके देश को यूरोपीय संघ में शामिल होने से रोकने के लिए साजिश रच रहे हैं। मोल्दोवा यूक्रेन का सहयोगी रहा है।

मीडिया के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर मोल्दोवा में तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप वाली रिपोर्टों पर गहरी चिंता जताई है। दरअसल, मोल्दोवा की राष्ट्रपति मैया सैंडू का कहना है कि व्लादिमीर पुतिन मोल्दोवा के नेतृत्व को नष्ट करने और उनके देश को यूरोपीय संघ में शामिल होने से रोकने के लिए विदेशी साजिश रच रहे हैं। माइया सैंडू ने कहा कि रूसी योजना में तोड़फोड़ और सैन्य रूप से प्रशिक्षित लोगों को हिंसक कार्रवाई करने, सरकारी इमारतों पर हमले और बंधक बनाने के लिए नागरिकों की हत्या करना तक शामिल है। मोल्दोवन के खुफिया विभाग ने भी पुष्टि की कि यूक्रेन को एक दस्तावेज मिला है जिसमें रूस की कथित साजिश का विस्तृत विवरण है।

व्हाइट हाउट के अधिकारी जॉन किर्बी ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने तख्तापलट की खबरों का सत्यापन नहीं किया है। उनका मानना ??है कि व्लादिमीर पुतिन इस तरह के कृत्य का प्रयास करने में सक्षम हैं। हम पूरी तरह मोल्दोवन सरकार और मोल्दोवन के लोगों के साथ खड़े हैं। हमने स्वतंत्र पुष्टि नहीं की है, लेकिन यह निश्चित रूप से पुतिन की नई साजिश का हिस्सा हो सकता है। हालांकि इन आरोपों का रूस ने खंडन किया है। रूस ने कहा कि इस तरह के दावे पूरी तरह से निराधार हैं। रूस ने उसके और मोल्दोवा के बीच तनाव को भड़काने के लिए यूक्रेन को दोषी ठहराया है।

फडनवीस को सभ्य आदमी समझता था, कभी नहीं सोचा था वह झूठ बोलेंगे : शरद पवार

नई दिल्ली (एजेंसी)।(ईएमएस)। राकांपा नेता अजीत पवार के साथ मिलकर देवेंद्र फडनवीस ने 23 नवंबर 2019 को सीएम पद की शपथ ली थी। अजित पवार के पीछे हटने की वजह से यह सरकार दो दिन भी पूरे नहीं कर पाई थी। इसे लेकर देवेंद्र फडनवीस ने एक नया दावा कर सनसनी फैला दी है। देवेंद्र फड़नवीस का कहना है कि अजीत पवार को साथ लेकर सरकार बनाने से पहले एनसीपी के मुखिया शरद पवार से भी बात की गई थी। डिप्टी सीएम फडनवीस के इस दावे पर एनसीपी प्रमुख ने आपत्ति जताई है।

शरद पवार ने कहा कि मैं देवेंद्र फडनवीस को एक सभ्य और समझदार आदमी समझता था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि वह इस तरह से झूठ का सहारा लेंगे। कांग्रेस के नेता अशोक चव्हाण ने भी देवेंद्र फडनवीस के बयान को गलत बताया है। उन्होंने कहा शरद पवार ऐसे नेता रहे हैं, जो हमेशा से खुलकर बात करते हैं। शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने कहा शरद पवार और उनकी पार्टी ने ठाकरे फैमिली का खुलकर साथ दिया है। यदि किसी के साथ विश्वासघात किया गया है तो वह महाराष्ट्र की जनता है।

दरअसल, एक टीवी चैनल से बातचीत में देवेंद्र फडनवीस ने कहा था उद्धव ठाकरे ने जब हमारे साथ विश्वासघात किया तो फिर एनसीपी के साथ स्थिर सरकार बनाने का ऑफर था। हमने खुद शरद पवार से ही बात की और फिर बहुत सी चीजें फाइनल हुईं। फडनवीस ने कहा शरद पवार से सलाह के बाद ही तड़के ही शपथ का फैसला लिया गया था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना स्टैंड बदल दिया। हर कोई जानता है कि बाद में क्या हुआ। फडनवीस ने कहा मैं नहीं मानता कि अजीत दादा ने एनसीपी से कोई बगावत की थी। उन्होंने कहा उन्हें तो पूरे मामले में बलि का बकरा बना दिया गया था।

उल्लेखनीय है कि भाजपा और शिवसेना ने 2019 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ा था और बहुमत हासिल किया था। हालांकि दोनों के बीच सीएम पद को लेकर रार शुरू हो गई थी। इस पर पहले भाजपा ने अजित पवार को साथ लेकर सरकार बनाने की कोशिश की, पर यह प्रयोग असफल रहा। इसके बाद शिवसेना ने एनसीपी और कांग्रेस के साथ मिलकर महाविकास अघाड़ी के नाम से गठबंधन तैयार किया और सरकार बना ली। उसके बाद से ही दोनों के बीच टकराव बना हुआ है। यही नहीं बीते साल एक बार फिर से घटनाक्रम बदला और एकनाथ शिंदे ने शिवसेना से बगावत कर ली। वह 40 से ज्यादा विधायकों को साथ लेकर भाजपा के साथ आ गए और सरकार बना ली।

केरल के एनआरआई बिजनेसमैन ने भूकंप प्रभावित तुर्की, सीरिया के लिए दिए 11 करोड़ रुपए

कोच्चि। केरल के संयुक्त अरब अमीरात स्थित उद्यमी बुर्जील होल्डिंग्स के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ शमशीर वायलिल ने भूकंप प्रभावित तुर्की और सीरिया के लिए सहायता के रूप में 11 करोड़ रुपए का दान दिया है। सहायता अमीरात रेड क्रीसेंट को सौंप दी गई है, जो इस क्षेत्र में राहत प्रयासों में मदद कर रही है। फंड का उपयोग दवा और अन्य आपूर्ति प्रदान करने के लिए किया जाएगा, इसके साथ ही पीड़ितों और उनके परिवारों के पुनर्वास के लिए समर्थन करने के लिए किया जाएगा। 6 फरवरी को इस क्षेत्र में आए 7.8 तीव्रता के भूकंप के बाद सैकड़ों परिवार विस्थापित हो गए हैं, जिसमें 34,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, प्राकृतिक आपदा 23 मिलियन लोगों को प्रभावित कर सकती है। वायलिल अरबपति कारोबारी एमए यूसुफ अली के दामाद हैं। उन्होंने कहा यह दान राहत कार्य में सहायता प्रदान करने के हमारे चल रहे प्रयासों का हिस्सा है। मेरा दिल विनाशकारी भूकंप से प्रभावित सभी लोगों के साथ है और मुझे उम्मीद है कि यह योगदान उनकी जरूरतों को पूरा करेगा।

करनाल में बोले अमित शाह, सेना में हर दसवां जवान हरियाणा से, हमने राज्य के विकास को दी नई रफ्ता

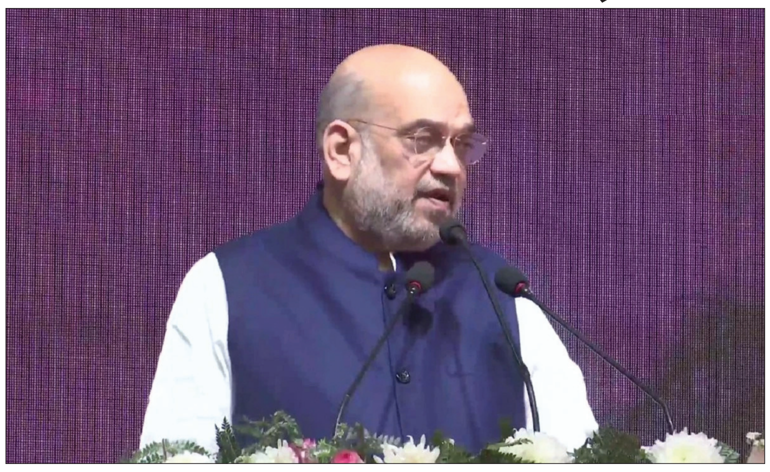

करनाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज हरियाणा दौरे पर है। हरियाणा के करनाल के हैफेड में उन्होंने एथेनॉल प्लांट, सांझी डेयरी समेत विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान शाह ने कहा कि आज सहकारिता विभाग की विभिन्न परियोजनाओं का शुभारंभ हुआ है। आज मैं ये कह सकता हूं कि भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय ने अनेक क्षेत्र के अंदर नई शुरुआत की। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने सबसे पहले पैक्स को मजबूत करना शुरू किया। इसके साथ-साथ हमने नई शुरुआते की हैं।

सहकारिता मंत्रालय की भी जिम्मेदारी संभाल रहे शाह ने कहा कि आज सांझी डेयरी का शुभारंभ हुआ है जिससे गरीब व्यक्ति को भी अगर 4 भैंस, 3 भैंस, 2 भैंस लेनी है तो वो लेकर सांझी पशुशालिका में रखेगा और उनका दूध कॉपोरेटिव फेडरेशन में भरकर वो आगे इसका फायदा ले सकेगा और अपना जीवन यापन कर पाएगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि सेना में हर दसवां जवान हरियाणा से है। राज्य खाद्यान्न उत्पादन में शीर्ष राज्यों में है। राज्य में शिक्षित पंचायतें हैं। हमने राज्य के हर घर में गैस कनेक्शन और शौचालय दिए।

इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह करनाल में हरियाणा पुलिस अकादमी में हरियाणा पुलिस को प्रेसिडेंट्स कलर प्रदान किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि आज ही के दिन 2019 में पुलवामा में छ्त्रक्क के 40 जवान शहीद हुए थे, जब तक भारत की रक्षा का इतिहास लिखा जाएगा तब तक इन शहीदों का नाम स्वर्णिम अक्षरों से लिखा जाएगा। मैं शहीद जवानों को नम पूर्वक श्रद्धांजलि देता हूं। इसके साथ ही उन्होंने कहा था कि पुलिस प्रौद्योगिकी मिशन को आज की जरूरतों और भविष्य में आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए पेश किया गया है। इस योजना के तहत कांस्टेबल से लेकर डीजीपी तक सभी को तकनीकी शिक्षा दी जाएगी ताकि इसका इस्तेमाल अपराधों को सुलझाने में किया जा सके।

संयुक्त संसदीय समिति के गठन से क्यों डर रही सरकार : जयराम रमेश

-कांग्रेस को चुप कराने की कोशिश, लेकिन ऐसा नहीं होगा : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने केंद्र पर पार्टी को चुप कराने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए रमेश ने कहा कि हर्षद मेहता मामले में जेपीसी का गठन किया गया था, फिर केतन पारेख मामले में और अब अदाणी-हिंडनबर्ग मामले में हमारी मांग वैध है क्योंकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और एलआईसी का पैसा दांव पर है। अदानी का मामला बांग्लादेश, श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और इजराइल से संबंधित है। उन्होंने कहा कि संसदीय शब्दों का निष्कासन अभूतपूर्व है, क्योंकि अतीत में भाजपा ने नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह को मौनी बाबा कहा था। उन्होंने कहा कि जेपीसी में बहुमत सदस्य बीजेपी के होंगे तो वह संयुक्त संसदीय समिति के गठन से क्यों डर रही है।

जयराम ने सोमवार को ट्वीट किया था कि आज सुप्रीम कोर्ट में सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि सरकार को अदाणी पर हिंडनबर्ग रिपोर्ट की जांच करने के लिए एक समिति से कोई आपत्ति नहीं है। फिर जेपीसी से इनकार क्यों किया गया, जिस पर वैसे भी बीजेपी और उसके सहयोगियों का वर्चस्व होगा? लेकिन क्या होगा? प्रस्तावित समिति हिंडनबर्ग या अडानी की जांच करेगी?

उन्होंने कहा कि याचिका का विषय कुछ अलग है, क्योंकि वह हिंडनबर्ग में जांच चाहती है। समान विचारधारा वाले विपक्षी दल पूरे मामले की जांच के लिए जेपीसी की मांग कर रहे हैं, क्योंकि उनका आरोप है कि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और एलआईसी ने पैसे खो दिए हैं। केंद्र सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया था कि मौजूदा ढांचा, जिसमें भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) और अन्य एजेंसियां शामिल हैं, अदाणी समूह पर हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद उत्पन्न स्थिति को संभालने के लिए पूरी तरह से बिल्कुल ठीक हैं और यह मौजूदा शासन को मजबूत करने के लिए एक समिति गठित करने के न्यायालय के सुझाव का विरोध नहीं करेगा।

एयरो इंडिया में शानदार हवाई प्रदर्शन के साथ एफ-35 लड़ाकू विमानों ने दिखाया दम

बेंगलुरु। युनाइटेड स्टेट्स एयर फोर्स (यूएसएएफ) के नवीनतम पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 लड़ाकू विमानों ने एशिया के सबसे बड़े एयर शो 'एयरो इंडिया' में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। स्टेल्थ (रडार की पकड़ से बचने में सक्षम), सुपरसोनिक, बहुउद्देशीय 'एफ-35ए लाइटनिंग टू' और 'एफ-35ए ज्वाइंट स्ट्राइक फाइटर' ने यहां वायु सेना स्टेशन येलहंका में पांच दिवसीय एयरोस्पेस और रक्षा प्रदर्शनी में पहली बार प्रदर्शन किया। अमेरिका के उताह में हिल वायुसैनिक अड्डे से यात्रा के बाद, एफ-35ए लाइटनिंग टू टीम ने मंगलवार को अपनी हवाई क्षमताओं के प्रदर्शन के साथ यहां मौजूद लोगों की भीड़ को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया।

दिल्ली में फिर हुआ श्रद्धा मर्डर जैसा कांड, हत्या के बाद ढाबे के फ्रिज में छिपाया शव

मुंबई (एजेंसी)। दिल्ली में श्रद्धा मर्डर कांड की यादें एक बार फिर से ताजा हो गई है। रोंगटे खड़े कर देने वाले इस हत्या कांड की तरह ही मामला सामने आया है। पुलिस को एक ढाबे के फ्रिज से लड़की का शव मिला है जिसके बाद पुलिस ने आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली के बाबा हरिदास नगर थाने में ये मामला सामने आया है।

हरिदास नगर के एक ढाबे पर पुलिस को एक फ्रीज से शव मिला है। पुलिस ने आरोपी की पहचान साहिल गहलोत के तौर पर की है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद उससे पूछताछ जारी है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने महिला की हत्या करने के बाद उसका शव फ्रिज में बरामद किया है। माना जा रहा है कि मृतका आरोपी की प्रेमिका थी। हालांकि अब तक ये सामने नहीं आया है कि आरोपी ने युवती की हत्या किस कारण से की है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

पुलिस ने हत्या के बाद शव को कब्जे में ले लिया है और पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का मानना है कि युवती की हत्या दो-तीन दिन पहले की गई है। हालांकि अधिक जानकारी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद पता चलेगी।

कार में गला दबाकर की हत्या

जानकारी के मुताबिक लड़की की हत्या कश्मीरी गेट आईएसबीटी के पास कार में गला दबाकर की गई है। 26 वर्षीय आरोपी ने लाश को मित्राउ गांव में अपने फ्रिज में छिपाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है।

बता दें कि इससे पहले दिल्ली में 18 नवंबर को 2022 में श्रद्धा मर्डर केस जैसा मामला भी देखने को मिला था। दिल्ली के महरौली इलाके में आरोपी आफताब ने अपनी लिव इन पार्टनर श्रद्धा की 18 मई को हत्या कर दी थी। आरोपी आफताब ने शव के 35 टुकड़े कर उसे फ्रिज में रखा था और धीरे धीरे शव के टुकड़ों को दिल्ली के अलग अलग इलाकों में ठिकाने लगाया था। आफताब ने श्रद्धा के शव के टुकड़ों को रखने के लिए फ्रिज खरीदा था।

भाजपा वॉशिंग मशीन की तरह है, जहां से दागी भी संत बनकर निकलते हैं : ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधानसभा में एक बार फिर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा देश को जनता की सरकार स्थापित करने और अराजकता खत्म करने का प्रयास करना चाहिए। पश्चिम बंगाल में हिंसा और भ्रष्टाचार पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की हालिया टिप्पणी के स्पष्ट संदर्भ में ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा कि उनके राज्य में देश के अन्य हिस्सों की तुलना में कानून और व्यवस्था की स्थिति बेहतर है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा भाजपा यहां आकर बड़े-बड़े दावे करती हैं। वे दूसरे राज्यों में क्यों नहीं जाते? क्योंकि इनका दांव बाहर कहीं नहीं चलता है और बंगाल में आकर बड़ी बातें करते हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा भाजपा ऐसा व्यवहार कर रही है जैसे वही ईमानदार नेताओं की एकमात्र पार्टी है और हमारी पार्टी चोरों की है।

भगवा पार्टी वाशिंग मशीन की तरह है जिसमें शामिल होकर दागी भी संत बन जाते हैं। ऐसा लगता है कि भाजपा में सब धुले हैं। मुख्यमंत्री ने सवाल किया उन्होंने हमारे लोगों को कोयला घोटाले में गिरफ्तार किया, लेकिन कोयला खदानों और केंद्र के स्वामित्व वाले कोल इंडिया व ईसीएल के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की।

ममता बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने राज्य के सीमावर्ती इलाकों में आतंक फैला रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा सीमावर्ती इलाकों में बेगुनाह लोगों को मारा जा रहा है। केंद्र इन घटनाओं की जांच के लिए यहां केंद्रीय टीम क्यों नहीं भेजी जाती। केंद्र सरकार तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ दुर्भावना फैला रही है। पार्टी व सरकार की छवि को भ्रष्ट दिखाने की कोशिश की जा रही है। ममता बनर्जी ने भाजपा को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि जनता ही भाजपा को सबक सिखाएगी।

इंसानियत के लिए खतरा बना भाजपा सरकार के बुलडोजर पर लगा अमानवीयता का चश्मा : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात के एक गांव में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान मां-बेटी की कथित तौर पर आत्मदाह करने के मामले को लेकर मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के बुलडोजर पर लगा अमानवीयता का चश्मा इंसानियत के लिए खतरा बन चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि पीड़ित परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने के साथ ही दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने कहा, ''भाजपा सरकार के बुलडोजर पर लगा अमानवीयता का चश्मा इंसानियत व संवेदनशीलता के लिए खतरा बन चुका है। कानपुर की हृदयविदारक घटना की जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। हम सबको इस अमानवीयता के खिलाफ आवाज उठानी होगी। कानपुर के पीड़ित परिवार को न्याय मिले एवं दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो।'' गौरतलब है कि सोमवार शाम कानपुर देहात जिले के रूरा थाना इलाके के मडौली गांव में अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान सोमवार को एक अधेड़ उम्र की महिला और उसकी बेटी ने कथित तौर पर अपनी झोपड़ी में खुद को आग लगा ली, जिससे दोनों की मौत हो गयी थी।

पंजाब सरकार ने 38,175 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्तावों को मंजूरी दी: भगवंत मान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पदभार ग्रहण करने के 11 महीने के भीतर उनकी सरकार ने अब तक 38,175 करोड़ रुपए का निवेश पक्का किया है, जिससे राज्य में 2.43 लाख रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने कहा यह सिर्फ प्री-मानसून बौछार है और मोहाली में 23-24 फरवरी को होने वाले इन्वेस्ट पंजाब समिट के दौरान जल्द ही राज्य में नियमित रूप से बौछार देखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शिखर सम्मेलन में उद्योगपतियों को आमंत्रित करने के लिए चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई और जर्मनी गए थे। वह राज्य में औद्योगिक विकास की विशाल क्षमता को देखकर आश्चर्यचकित हैं। राज्य सरकार के कड़े प्रयासों के कारण ये उद्योगपति अब पंजाब में निवेश करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि रियल एस्टेट, आवास और बुनियादी ढांचे में प्रस्तावित निवेश 11,853 करोड़ रुपए है, जो 1.22 लाख नौकरियां पैदा करेगा। मान ने कहा कि इसी तरह मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने 5,981 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है और 39,952 नौकरियां, अलॉय स्टील और स्टील सेक्टर ने 3,889 करोड़ रुपए का निवेश आकर्षित किया है, जिससे 9,257 नौकरियां मिलेंगी और कपड़ा, तकनीकी वस्त्र, परिधान और मेक-अप क्षेत्र ने 3,305 करोड़ रुपए का निवेश किया है और इससे 13,753 रोजगार सृजित होंगे और कृषि, खाद्य प्रसंस्करण और पेय पदार्थ क्षेत्र ने 2,854 करोड़ रुपये के निवेश को आकर्षित किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा टाटा स्टील लुधियाना में द्वितीयक इस्पात क्षेत्र में 2600 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, सनातन पॉलीकॉट फतेहगढ़ साहिब में मानव निर्मित फाइबर क्षेत्र में 1600 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, नाभा पावर (एलएंडटी) पटियाला में बिजली क्षेत्र में 641 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, टोप्पन (जापान) एसबीएस नगर में पैकेजिंग क्षेत्र में 548 करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है, नेस्ले (स्विट्जरलैंड) मोगा में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में 423 करोड़ रुपए का निवेश कर रहा है, वर्धमान स्पेशल स्टील्स (आइची स्टील, जापान) लुधियाना में हाइब्रिड स्टील क्षेत्र में 342 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, फ्रीडेनबर्ग (विब्राकॉस्टिक्स, जर्मनी) रूपनगर में ऑटो और ऑटो घटक क्षेत्र में 338 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, बेबो टेक्नोलॉजीज एसएएस नगर में आईटी क्षेत्र में 300 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है, एचयूएल (यूके) पटियाला में 281 करोड़ रुपए का निवेश कर रही है, और कारगिल इंडिया (यूएस) फतेहगढ़ साहिब में पशु आहार में 160 करोड़ रुपये का निवेश कर रही है।

मान ने कहा एसएएस नगर में 9,794 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है, जो 68,061 युवाओं को नौकरी देगा, लुधियाना में 9,319 करोड़ रुपए का निवेश, जो 33,172 युवाओं को नौकरी देगा, फतेहगढ़ साहिब में 4,246 करोड़ रुपये का निवेश, जो 13,840 युवाओं को नौकरी देगा, अमृतसर में 4,079 करोड़ रुपये का निवेश, जो 85,419 युवाओं को नौकरी देगा, पटियाला में 2,821 करोड़ रुपये का निवेश, जो 9,927 युवाओं को नौकरी देगा, और रूपनगर में 1,200 करोड़ रुपये का निवेश, जो 3,172 युवाओं को नौकरी देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सिर्फ एक प्रारंभिक पहल है और 23-24 फरवरी को होने वाले इन्वेस्ट पंजाब समिट के दौरान और निवेश पक्का किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

गुजरात विधानसभा में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के लिए 'संसदीय कार्यशाला' का आयोजन

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को संसदीय कार्यप्रणाली के नियमों से अवगत कराने के उद्देश्य से गुजरात विधानसभा द्वारा आगामी 15 व 16 फ़रवरी को दो दिवसीय 'संसदीय कार्यशाला' का आयोजन किया गया है। गुजरात विधानसभा में आयोजित इस संसदीय कार्यशाला का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के करकमलों से 15 फ़रवरी को सुबह 11.00 बजे उद्घाटन होगा, जबकि 16 फ़रवरी की शाम राज्यपाल आचार्य देवव्रत की प्रेरक उपस्थिति में इस संसदीय कार्यशाला का समापन होगा। इस संसदीय कार्यशाला में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अतिथि विशेष के रूप में उपस्थित रहेंगे। संसदीय कार्यशाला के आयोजन के विषय में विवरण देते हुए गुजरात विधानसभाध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने कहा कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में 10 से अधिक विषयों पर विभिन्न सत्र आयोजित होंगे। इन सत्रों में 'संसदीय लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की भूमिका, विधानसभा की कार्यवाही के अंतर्गत क्या किया जा सकता है और क्या नहीं ?, स्ट्रेस मैनेजमेंट, सुदृढ़ लोकतंत्र के लिए संवैधानिक संस्थानों की भूमिका, संसदीय विशेषाधिकार तथा नीतिमत्ता के मानदंड, G-20 में भारत की अध्यक्षता, संसदीय प्रश्न और तत्काल सार्वजनिक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा में उपस्थित रहने के नियम के अंतर्गत पद्धतियाँ, कार्यपालिका पर विधानसभा समितियों का संसदीय नियंत्रण, विधानसभा में वित्तीय कामकाज, विधानसभा में अधिनियम बनाने की प्रक्रिया' जैसे विषयों को शामिल किया जाएगा। इन विषयों पर संसद के विशेषज्ञों तथा विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाएगा। गुजरात विधानसभा में आयोजित होने वाली इस दो दिवसीय संसदीय कार्यशाला में सभी दलों के निर्वाचित विधायक, सांसद, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व उप मुख्यमंत्री सहित बौद्धिक नागरिक सहभागी बनेंगे।

दो दिवसीय संसदीय कार्यशाला का लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला करेंगे उदघाटन उद्घाटन : शंकर चौधरी

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने वेलेन्टाइन डे के विरोध में गार्डन बैठे प्रेमी युगलों को भगाया

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पश्चिमी देशों में 14 फरवरी को वेलेन्टाइन डे को प्रेम के दिवस के रूप में मनाया जाता है। जबकि भारत में हिन्दू संगठनों द्वारा इसका विरोध किया जाता है। हर साल की भांति इस वर्ष भी बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने उद्यानों में बैठे प्रेमी युगलों को भगाया और वेलेन्टाइन डे नहीं मनाने की चेतावनी भी दी। आज गांधीनगर के उद्यान में बजरंग दल के कार्यकर्ता हाथ में डंडे लेकर जय श्रीराम के नारे लगाते हुए पहुंच गए। उद्यान में जहां तहां बैठे प्रेमी युगलों को भगा दिया। कई युगल तो कार्यकर्ताओं को देख पहले गार्डन से भाग निकले। बजरंग के कार्यकर्ताओं ने पूरे उद्यान का कोना कोना छान मारा और जहां कहीं भी युगल दिखा उन्हें वहां से भगा दिया। बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रेमी युगलों सलाह के साथ चेतावनी भी वेलेन्टाइन डे पश्चिमी देश के संस्कार है, जिसका अनुकरण ना करें। यह कोई पहली घटना नहीं है, हर साल वेलेन्टाइन डे पर बजरंग दल के कार्यकर्ता उद्यान समेत अन्य स्थानों पर पहुंच जाते हैं जहां प्रेमी युगल बैठे होते हैं। कार्यकर्ता प्रेमी युगलों को उद्यान से खदेड़कर आइंदा वेलेन्टाइन डे नहीं मनाने की चेतावनी देते रहे हैं।

एसएमसी की भचाऊमें बड़ी कार्यवाही, 50.66 की शराब समेत दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कच्छ, स्टेट मोनिटरिंग सेल (एसएमसी) ने फिर एक बार बड़ी कार्यवाही करते हुए रु 55.66 लाख की भारतीय बनावट की विदेशी शराब के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। एसएमसी ने यह कार्यवाही कच्छ जिले के भचाऊ के निकट जीआईडीसी से गोदाम में की। गांधीनगर से एसएमसी की दो गाडियां भचाऊ पहुंची और शहर के निकट जीआईडीसी के एक गोदाम में उस वक्त छापेमारी की जब बड़े वाहनों से छोटे वाहनों में शराब की कटिंग की जा रही थी। पुलिस की टीम को देख थोक में विदेशी शराब का धंधा करने वाले अशोकसिंह उर्फ मामा जाडेजा का राइट हेन्ड माना जाता भगीरथसिंह जाडेजा मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल से रु 50.66 लाख की शराब और चार वाहनों समेत रु 7356600 मालसामान जब्त कर लिया। साथ ही किशोरसिंह दानुभा सरवैया और प्रहलाद अरजणभाई ठाकोर समेत दो लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया। जबकि शिवमसिंह नरेन्द्रसिंह जाडेजा, मोहनसिंह राणा, भूरो ठाकोर, जयंती पेथाजी, रमेश ठाकोर, अरजन कचरा ठाकोर, टैंकर मालिक और चालक, बोलेरो वाहन का ड्राइवर व मालिक महेन्द्र, ट्रैक्टर चालक व मालिक और मोटर साइकिल मालिक को फरार घोषित कर पूरा मामला भचाउ पुलिस को सौंप दिया है। पुलिस ने इस केस में कुल 16 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जिसमें मुख्य सूत्रधार समेत 14 आरोपियों को फरार घोषित किया है।

पीएम मोदी की तरह मुख्यमंत्री भी भेंट में मिली सौगातों की नीलामी करेंगे

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने एक महत्वपूर्ण फैसला किया है। भूपेन्द्र पटेल भी तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई प्रणाली को आगे बढ़ाते हुए भेंट में मिली सौगातों की नीलामी करेंगे और उससे प्राप्त रकम चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की बेटियों की शिक्षा के लिए खर्च करेंगे। मुख्यमंत्री ने सरकार के तोशाखाना की भेंट-सौगातों का भी सर्वे करने का अधिकारियों का आदेश दे दिया है। मौजूदा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब गुजरात के मुख्यमंत्री थे तब राज्य की बालिकाओं को शिक्षित बनाने का अनोखा संकल्प किया था। सार्वजनिक कार्यक्रमों और लोगों की ओर से उन्हें मिलती सभी प्रकार की कीमती भेंट-सौगातें राज्य सरकार के तोशाखाना में जमा करवा देते थे। जिसके पश्चात उन भेंट-सौगातों की नीलामी कर उससे प्राप्त रकम का मुख्यमंत्री बालिका शिक्षा निधि के जरिए बालिकाओं की शिक्षा पर खर्च करते थे। पीएम मोदी की उसी प्रणाली को बढ़ाने का गुजरात के वर्तमान मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने फैसला किया है। इसके अंतर्गत भूपेन्द्र पटेल उन्हें मिली भेंट-सौगातों की नीलामी कर उससे प्राप्त रकम का चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की बेटियों की शिक्षा पर खर्च करेंगे।